JK Chrome

JK Chrome | Employment Portal

Rated No.1 Job Application of India

Sarkari Naukri
Private Jobs
Employment News
Study Material
Notifications

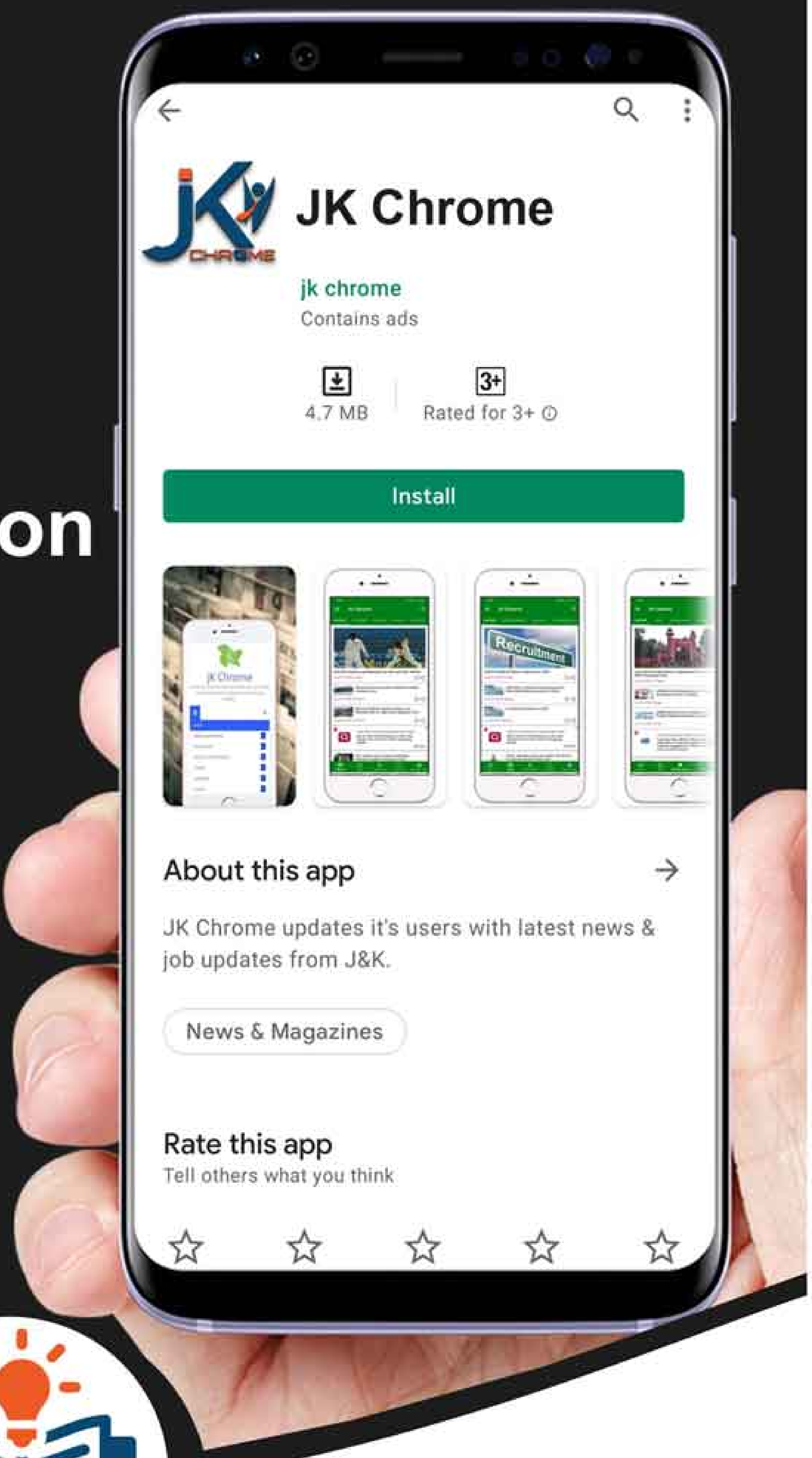

JOBS

NOTIFICATIONS

G.K

STUDY MATERIAL

GET IT ON Google play

JK Chrome
jk chrome
Contains ads

Click here to DOWNLOAD

www.jkchrome.com | Email : contact@jkchrome.com

वर्णमाला
समास
सन्धि
अनेकार्थीशब्द
शुद्धि - अशुद्धि
देशज - विदेशीशब्द

वर्ण माला (52 = 11 + 41)
[52]

स्वर (11) :- जिन ध्वनियों के उच्चारण में हवा बिना किसी रूकावट के निकलती है :—

अ , आ , इ , ई , उ , ऊ , ऋ , ए , ऐ , ओ , औ / अं , अः

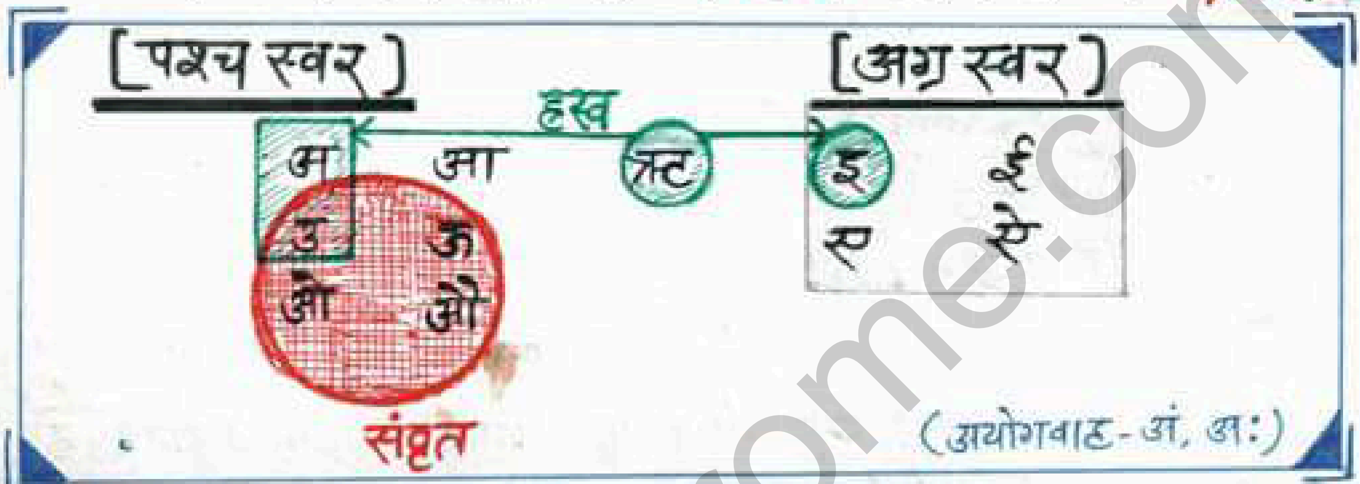

पश्च स्वर :- (Rear) जिह्वा के पश्च भाग से उच्चारित
अ , आ , उ , ऊ , ओ , औ

अग्र स्वर :- जिह्वा के अग्र भाग से उच्चारित
इ , ई , ए , ऐ → Front Vowel.

संवृत स्वर :- जिन स्वरों के उच्चारण में ओष्ठ गोलाकार हो जाता है :- उ , ऊ , ओ , औ , (ऑ) - Circle Vowel

अवृत स्वर :- (Non circle) जिन स्वरों के उच्चारण में ओष्ठ गोलाकार न होकर फैले रहते हैं :—
अ , आ , इ , ई , ए , ऐ

ह्रस्व :- जिन स्वरों के उच्चारण में सबसे कम समय लगता है।
अ , इ , उ , ऋ → Short Vowel.

दीर्घ :- (Long) जिन स्वरों के उच्चारण में ह्रस्व से अधिक समय लगता है।
आ , ई , ऊ , ए , ऐ , ओ , औ

www.jkchrome.com

'ऋ' :- यह लेखन की दृष्टि से स्वर है, क्योंकि अन्य स्वरों की भाँति इसका भी मात्रा चिह्न (ृ) है। परन्तु उच्चारण की दृष्टि से व्यंजन है, क्योंकि इसका उच्चारण 'रि' के समान होता है।

अनुस्वार :- अं (ं) यह अनुनासिक व्यंजन का रूप है जिसका उच्चारण मुख व नाक दोनों से होता है। इसका प्रयोग वर्तनी के पंचमाक्षर के स्थान पर होता है, यदि शब्द में उसी वर्ग का नासिक्य व्यंजन (ङ, ञ, ण, न, म) है, जैसे- कंचन, टंकण, दंत, पंप, भयंकर, लंब, संयम आदि। गंगा, कंठ, चंबल, पंच, नंदन, संपादक

(पंचमाक्षर जिस अक्षर से पहले आता है किंतु उस पंचमाक्षर का वर्ग लगेगा जैसे चंबल – चम्बल व दर्श पंचमाक्षर बिन्दु न पर लगेगा)

यदि शब्द में भिन्न नासिक्य व्यंजन हो तो मूल पंचमाक्षर ही लिखा जायेगा, जैसे- जन्म, निम्न, वाङ्मय, उन्नति, सम्मति, पुण्य आदि। – हंस, चंदा (चन्दा)

अनुनासिक (ँ) यह अनुनासिक स्वर का रूप है, जिसका उच्चारण मुख व नाक दोनों से होता है- हँसना, चाँद

जब स्वर की मात्रा शिरोरेखा के ऊपर लगी हो तो चंद्रबिंदु के स्थान पर बिन्दु (ं) प्रयुक्त होता है – हैं, मैं, कहीं

विसर्ग - अः (:) :– इसका उच्चारण 'ह' के समान होता है :– अतः, प्रातः, प्रायः, दुःख

"अयोगवाह"

Note: अनुस्वार (ं) तथा विसर्ग (:) को क्रमशः 'अं' तथा 'अः' के रूप में स्वरों के साथ लिखा जाता है। परन्तु इनकी स्थिति स्वर व व्यंजन के बीच की होती है, अर्थात उच्चारण की शुरुआत स्वर के साथ तथा अंत व्यंजन से होता है (अङ्, अह्) । इन्हें "हिन्दी वर्णमाला में 'अयोगवाह' कहा जाता है।

व्यंजन

(41)

	अघोष		सघोष		
	(अल्पप्राण)	(महाप्राण)	(अल्पप्राण)	(महाप्राण)	[अनुनासिक]
कण्ठ्य	क	ख	ग	घ	ङ
तालव्य	च	छ	ज	झ	ञ
मूर्धन्य	ट	ठ	ड	ढ	ण
दन्त्य	त	थ	द	ध	न
ओष्ठ्य	प	फ	ब	भ	म
अन्तःस्थ	य	र	ल	व	
ऊष्म	श	ष	स	ह	
संयुक्त	क्ष (क+ष)	त्र (त+र)	ज्ञ (ज+ञ)	श्र (श+र)	
अर्द्ध स्वर	य	व			
उत्क्षिप्त	ड़	ढ़			
गृहीत	ज़	फ़	(ऑ)		
लुंठित	र				
पार्श्विक	ल				

अघोष - स्वर यंत्रियों में कंपन नहीं

सघोष - स्वर यंत्रियों में कंपन

अल्प प्राण - श्वास वायु की मात्रा कम

महा प्राण - श्वास वायु की मात्रा अधिक

अन्तःस्थ - श्वास का अवरोध बहुत कम

उत्क्षिप्त - जिह्वा मूर्धा को स्पर्श कर तुरंत नीचे

www.jkchrome.com

शब्द-निर्माण

- रूढ़ – फूल
- यौगिक – हिमालय
- योगरूढ़ – चारपाई

शब्द-निर्माण → उपसर्ग | प्रत्यय | समास | संधि

समास :

शाब्दिक अर्थ 'संक्षेप'

शब्दों को जोड़ कर छोटा करना

जैसे :– गंगा का जल – गंगाजल

राजा का महल – राजमहल

"दो या दो से अधिक शब्दों से मिलकर बना नवीन व सार्थक शब्द" – समास

समास

द्वंद्व

दोनो पद प्रधान

माता-पिता
राम-कृष्ण
गाना-बजाना
रात-दिन
दाल-रोटी
हरिहर
साग-पात
जय-पराजय
दिवा-रात्र
राम-लक्ष्मण
धनुर्बाण
देवासुर
पच्चीस
अड़सठ
देशान्तर
रुपया-पैसा
गौरीशंकर
भलाबुरा
पापपुण्य
राधाकृष्ण
घर-द्वार
मोटा-पतला
ठण्डा-गरम
धर्माधर्म

बहुव्रीहि

दोनो पद गौण (तीसरा अर्थ)

त्रिनेत्र (शिव)
चतुर्भुज (ब्रह्मा)
लम्बोदर (गणेश)
पीताम्बर (कृष्ण)
दशानन (रावण)
पंचानन (शिव)
शूलपाणि (शिव)
चन्द्रशेखर (शिव)
चन्द्रमौली (शिव)
घनश्याम (कृष्ण)
वाग्देवी (सरस्वती)
देवराज (इन्द्र)
वज्रपाणि (इन्द्र)
शचीपति (इन्द्र)
गिरिधर (कृष्ण)
मुरारि (कृष्ण)
मकरध्वज (कामदेव)
आशुतोष (शिव)
पुंडरीक (विष्णु)
गुडाकेश – अर्जुन
नीरज (कमल)
[illegible] (मंगल)
लोहपुरुष (सरदार)
श्वेतपत्र (राजकीयदस्तावेज)
[illegible] (भूप)
दिगंत (सनजान)
त्रिफला (औषधि)
चिरंजीवी (लम्बी)

कर्मधारय

प्रथम – विशेषण
दूसरा – विशेष्य

महापुरुष
महानिदेशक
चंद्रमुख
नीलकमल
कमलनयन
मृगनयनी
नीलोत्पलम्
विद्यार्थी
नीलगाय

अव्ययीभाव

प्रथम – प्रधान
दूसरा – गौण

प्रतिदिन
यथासंभव
बेखटक
जल्दी-जल्दी
अनजान
यथाशक्ति
आजन्म
भरपेट
आकंठ
अनुरूप
आमरण
प्रत्येक
अनुमोदक
अनुसार
निर्विवाद
निर्भय
बेनकाब
अभिमान
यथाविधि

उपसर्ग – यथा, प्रति, आ, बे, ला, नि, अन, अनु

तत्पुरुष

प्रथम – गौण
दूसरा – प्रधान

पुस्तकालय
देशभक्त
राजद्रोह
रसोईघर
क्रीड़ाक्षेत्र
गुरुभाई
शिष्टाचार
रोगपीड़ित
धनहीन
शूरवीर
कृष्णार्पण

द्विगु

प्रथम – संख्यावाचक

चौराहा
त्रैमासिक
त्रिभुवन
पंचवटी
चतुर्भुज
अष्टाध्यायी
सप्ताह
शताब्दी
दोपहर
त्रिफला
एकांकी
इकतारा
पंचरात्र
तिपाई

> द्वंद्व में ओर दिखे, द्विगु में गणपद आवत है
> बीच में कारक चिह्न दिखे तत्पुरुष समास कहावत है
> अव्ययी का पहला पद अव्यय, बहुव्रीहि में अन्य पद आवत है
> पहला पद जा मे विशेषण, कर्मधारय नाम कहावत है।

संधि

प्रथम पद के अंतिम ध्वनि → द्वितीय पद के पहले ध्वनि के मेल से बना शब्द

1. स्वर संधि :—

(i). दीर्घ :- ह्रस्व/दीर्घ (अ,इ,उ) + ह्रस्व/दीर्घ → दीर्घ (आ, ई, ऊ)

परमाणु, हिमालय, विद्यार्थी, विद्यालय, रवीन्द्र, परीक्षा, सतीश, सूक्ति

(ii) गुण :— अ/आ + इ, ई / उ, ऊ / ऋ → ए, ओ / अर्

उपेन्द्र, कमलेश, महेन्द्र, रमेश, वार्षिकोत्सव, महोत्सव, देवर्षि, महर्षि

(iii). वृद्धि :— अ/आ + ए, ऐ / ओ, औ → ऐ, औ

एकैक, मतैक्य, सदैव, तथैव

(iv) यण :— इ, ई / उ, ऊ / ऋ + भिन्न स्वर → य, व, र

यद्यपि, इत्यादि, उपर्युक्त, अत्याचार, पर्यावरण, स्वच्छ, स्वागत

(v). अयादि :— ए / ऐ / ओ / औ + भिन्न स्वर → अय, आय / अव, आव

शयन, नयन, नायक, गायक, भवन, पवन, पावन, पावक, नाविक, भावुक, पवित्र

2. व्यंजन संधि :—

(i) क/च वर्ग → तीसरे वर्ण में

जगदीश, भगवद्गीता, जगद्गुरु, सद्वाणी, तद्भव, सद्भावना, सदुपयोग

(ii). क/च वर्ग + म/न → पंचम वर्ण में

उन्नति, तन्मय, सन्मार्ग, जगन्नाथ

(iii). त + च, छ / ज, झ → च, ज

उल्लास, उच्चारण, सज्जन, सच्चरित्र, उल्लेख, उज्ज्वल

(iv). त → च + श → छ , उच्छ्वास (उत् + श्वास)

3. विसर्ग संधि :—

(: → श, स, ष, र, ओ, दीर्घ, लोप)

मनोबल, तपोभूमि, मनोकूल, निर्धन, दुर्जन, निरर्थक, दुरुपयोग, नमस्ते, दुस्साहस, निश्चल, दुश्शासन, निष्कलंक, निष्फल, नीरोग, नीरस

4. हिन्दी के नियम :- महाप्राणीकरण, अल्पप्राणीकरण, ह्रस्वीकरण, सादृश्यीकरण, स्वर परिवर्तन, लोप

TIPS

दीर्घ –	समान स्वर	→	आ, ई, ऊ	– हिमालय
गुण –	असमान स्वर	→	ए, ओ, अर	– देवेन्द्र
वृद्धि –	"	→	ऐ, औ	– सदैव
यण –	"	→	य, व, र	– इत्यादि
अयादि –	"	→	अय, आय, अव, आव	

www.jkchrome.com

संधि

शाब्दिक अर्थ – मेल

Def : "दो निकटवर्ती वर्णों के परस्पर मेल से जो विकार होता है" उसे संधि कहते हैं।

(A) स्वर संधि (B) व्यंजन संधि (C) विसर्ग संधि

A. स्वर संधि :— "दो स्वरों के मेल से जो विकार होता है"

दीर्घ गुण वृद्धि यण अयादि

1. दीर्घ संधि :—

ह्रस्व/दीर्घ + ह्रस्व/दीर्घ → दीर्घ

(ह्रस्व – अ, इ, उ, ऋ, दीर्घ – आ, ई, ऊ)

(i) अ + अ = आ

धर्म + अर्थ = धर्मार्थ
स्व + अर्थी = स्वार्थी
देह + अंत = देहांत
शरण + अर्थी = शरणार्थी
सूर्य + अस्त = सूर्यास्त
राम + अवतार = रामावतार
वेद + अंत = वेदांत
अधिक + अंश = अधिकांश
पर + अधीन = पराधीन
वीर + अंगना = वीरांगना
शास्त्र + अर्थ = शास्त्रार्थ
परम + अर्थ = परमार्थ
शस्त्र + अस्त्र = शस्त्रास्त्र
परम + अणु = परमाणु
स्व + अर्थ = स्वार्थ

(ii) अ + आ = आ

हिम + आलय = हिमालय
शुभ + आरंभ = शुभारंभ
सत्य + आग्रह = सत्याग्रह
आयत + आकार = आयताकार
न्याय + आलय = न्यायालय
देव + आलय = देवालय
शिव + आलय = शिवालय
पुस्तक + आलय = पुस्तकालय
स + आकार = साकार
रत्न + आकर = रत्नाकर

(iii) आ + अ = आ

विद्या + अर्थी = विद्यार्थी
परीक्षा + अर्थी = परीक्षार्थी
सीमा + अंकित = सीमांकित
रेखा + अंकित = रेखांकित
आज्ञा + अनुपालन = आज्ञानुपालन
शिक्षा + अर्थी = शिक्षार्थी
दीक्षा + अन्त = दीक्षान्त
यथा + अर्थ = यथार्थ
कदा + अपि = कदापि
वर्षा + अंत = वर्षांत

(iv) आ + आ = आ

विद्या + आलय = विद्यालय
महा + आशय = महाशय
वार्ता + आलाप = वार्तालाप
महा + आत्मा = महात्मा
दया + आनंद = दयानंद
श्रद्धा + आनंद = श्रद्धानंद

(v) इ + इ = ई

कवि + इन्द्र = कवीन्द्र
अति + इव = अतीव
रवि + इन्द्र = रवीन्द्र
अभि + इष्ट = अभीष्ट
कपि + इन्द्र = कपीन्द्र
क्षिति + इन्द्र = क्षितीन्द्र

(vi) इ + ई = ई

गिरि + ईश = गिरीश
परि + ईक्षा = परीक्षा
कवि + ईश = कवीश
कवि + ईश्वर = कवीश्वर

(vii) ई + इ = ई

शची + इन्द्र = शचीन्द्र पत्नी + इच्छा = पत्नीच्छा

(viii) ई + ई = ई

सती + ईश = सतीश रजनी + ईश = रजनीश

(ix). उ + उ = ऊ

गुरु + उपदेश = गुरूपदेश सु + उक्ति = सूक्ति

(x) उ + ऊ = ऊ

धातु + ऊष्मा = धातूष्मा सिन्धु + ऊर्मि = सिन्धूर्मि

(xi) ऊ + उ = ऊ

भू + उत्सर्ग = भूत्सर्ग भू + उद्गार = भूद्गार

(xii) ऊ + ऊ = ऊ

भू + ऊष्मा = भूष्मा

2. गुण संधि :—

अ/आ + इ/ई, उ/ऊ, ऋ = ए, ओ, अर्

(इ/ई → ए, उ/ऊ → ओ, ऋ → अर्)

(i) अ + इ = ए

नर + इन्द्र = नरेन्द्र स्व + इच्छा = स्वेच्छा
पुष्प + इन्द्र = पुष्पेन्द्र शुभ + इच्छा = शुभेच्छा
उप + इन्द्र = उपेन्द्र भारत + इन्दु = भारतेन्दु
धर्म + इन्द्र = धर्मेन्द्र सत्य + इन्द्र = सत्येन्द्र

(ii) अ + ई = ए

परम + ईश्वर = परमेश्वर दिन + ईश = दिनेश
सुर + ईश = सुरेश सर्व + ईश्वर = सर्वेश्वर
गण + ईश = गणेश राम + ईश्वर = रामेश्वर
कमल + ईश = कमलेश नर + ईश = नरेश

(iii). आ + इ = ए

महा + इन्द्र = महेन्द्र राजा + इन्द्र = राजेन्द्र

(iv) आ + ई = ए

रमा + ईश = रमेश लंका + ईश = लंकेश
उमा + ईश = उमेश राका + ईश = राकेश

(v) अ + उ = ओ

सूर्य + उदय = सूर्योदय पर + उपकार = परोपकार
विवाह + उत्सव = विवाहोत्सव रोग + उपचार = रोगोपचार
सर्व + उदय = सर्वोदय वार्षिक + उत्सव = वार्षिकोत्सव

(vi) अ + ऊ = ओ

नव + ऊढ़ा = नवोढ़ा   उच्च + ऊर्ध्व = उच्चोर्ध्व

(vii) आ + उ = ओ

महा + उत्सव = महोत्सव   महा + उदय = महोदय

(viii) आ + ऊ = ओ

गंगा + ऊर्मि = गंगोर्मि

(ix) अ + ऋ = अर्

देव + ऋषि = देवर्षि.   सप्त + ऋषि = सप्तर्षि

(x) आ + ऋ = अर्

राजा + ऋषि = राजर्षि   महा + ऋषि = महर्षि

3. वृद्धि संधि :—

अ/आ + ए/ऐ, ओ/औ ⟶ ऐ, औ
(ऐ) (औ)

(i) अ + ए = ऐ

एक + एक = एकैक   वित्त + एषणा = वित्तैषणा

(ii) अ + ऐ = ऐ

मत + ऐक्य = मतैक्य

(iii) आ + ए = ऐ

सदा + एव = सदैव   तथा + एव = तथैव

(iv) आ + ऐ = ऐ

महा + ऐश्वर्य = महैश्वर्य

(v) अ + ओ = औ

वन + ओषधि = वनौषधि,   दंत + ओष्ठ = दंतौष्ठ

(vi) आ + ओ = औ

महा + ओजस्वी = महौजस्वी

(vii) अ + औ = औ

परम + औषध = परमौषध

(viii) आ + औ = औ

महा + औषध = महौषध

www.jkchrome.com

4. यण सन्धि

(इ/ई) (उ/ऊ), (ऋ) + भिन्न स्वर → य, व, र

य व र

(i) इ/ई + भिन्न स्वर → य

यदि + अपि = यद्यपि
अति + अल्प = अत्यल्प
अति + अधिक = अत्यधिक
अति + अन्त = अत्यन्त
इति + आदि = इत्यादि
अति + उत्तम = अत्युत्तम
उपरि + उक्त = उपर्युक्त
अति + आचार = अत्याचार
वि + आप्त = व्याप्त
परि + आवरण = पर्यावरण
अभि + आगत = अभ्यागत
नदी + आमुख = नद्यामुख
नि + ऊन = न्यून
वि + ऊह = व्यूह
प्रति + एक = प्रत्येक

(ii) उ/ऊ + भिन्न स्वर → व

सु + अल्प = स्वल्प
सु + अच्छ = स्वच्छ
अनु + अय = अन्वय
सु + आगत = स्वागत
अनु + एषण = अन्वेषण
अल्प + ऐश्वर्य = अल्पैश्वर्य
वधू + आगमन = वध्वागमन
वधू + ऐश्वर्य = वध्वैश्वर्य

(iii) ऋ + भिन्न स्वर → र

पितृ + अनुमति = पित्रनुमति
पितृ + आज्ञा = पित्राज्ञा
मातृ + आज्ञा = मात्राज्ञा
पितृ + इच्छा = पित्रिच्छा
मातृ + इच्छा = मात्रिच्छा
मातृ + उपदेश = मात्रुपदेश

5. अयादि संधि :

(ए/ऐ), (ओ/औ) + भिन्न स्वर → अय/आय, अव/आव

अय आय अव आव

(i) ए/ऐ + भिन्न स्वर = अय/आय

शे + अन = शयन
ने + अन = नयन
नै + अक = नायक
गै + अक = गायक

(ii) ओ/औ + भिन्न स्वर = अव/आव

भो + अन = भवन
पो + अन = पवन
पौ + अक = पावक
पो + अन = पावन
नौ + इक = नाविक
पो + इत्र = पवित्र
भौ + उक = भावुक

www.jkchrome.com

[B] व्यंजन संधि :— व्यंजन के बाद किसी स्वर/व्यंजन के आने से जो परिवर्तन होता है।

(i) वर्ग के पहले वर्ण का तीसरे वर्ण में परिवर्तन :—

क्/च्/ट्/त्/प् ⟶ ग्/ज्/ड्/द्/ब्

दिक् + गज = दिग्गज
वाक् + ईश = वागीश
दिक् + विजय = दिग्विजय
सत् + धर्म = सद्धर्म
जगत् + गुरु = जगद्गुरु
दिक् + अंबर = दिगंबर
दिक् + दर्शन = दिग्दर्शन
भगवत् + गीता = भगवद्गीता
जगत् + ईश = जगदीश
सत् + गति = सद्गति
सत् + वाणी = सद्वाणी
तत् + अनुसार = तदनुसार
तत् + भव = तद्भव
जगत् + अम्बा = जगदम्बा
वाक् + दत्ता = वाग्दत्ता
ऋक् + वेद = ऋग्वेद
सत् + भावना = सद्भावना
सत् + उपयोग = सदुपयोग

(ii) वर्ग के पहले वर्ण का पाँचवे वर्ण में परिवर्तन :—

क्/च्/ट्/त्/प् ⟶ ङ/ञ/ण/न/म

वाक् + मय = वाङ्मय
उत् + मत्त = उन्मत्त
तत् + मय = तन्मय
सत् + मति = सन्मति
उत् + नति = उन्नति
उत् + नयन = उन्नयन
सत् + मार्ग = सन्मार्ग
जगत् + नाथ = जगन्नाथ
उत् + नायक = उन्नायक
दिक् + नाग = दिङ्नाग

(iii) छ का च से जुड़ना :—

अनु + छेद = अनुच्छेद
परि + छेद = परिच्छेद
स्व + छंद = स्वच्छंद
दल + छाया = दलच्छाया
वि + छेद = विच्छेद
आ + छादन = आच्छादन

(iv) त का च (च/छ), ज (ज/झ), ट (ट/ठ), ड (ड/ढ), ल (ल)

उत् + लास = उल्लास
सत् + जन = सज्जन
उत् + चारण = उच्चारण
तत् + लीन = तल्लीन
उत् + हार = उद्धार
उत् + हत = उद्धत
उत् + हरण = उद्धरण

(श) [त - च, श - छ]

(ह) [त - द, ह - ध]

सत् + चरित्र = सच्चरित्र
जगत् + छाया = जगच्छाया
उत् + लेख = उल्लेख
उत् + डयन = उड्डयन
उत् + श्वास = उच्छ्वास

(v) म के बाद जिस वर्ग का व्यंजन उसी वर्ग के अनुनासिक में परिवर्तन

अहम् + कार = अहंकार
सम् + गत = संगत
सम् + जय = संजय
सम् + बंध = संबंध
सम् + कीर्ण = संकीर्ण
सम् + गम = संगम
परम् + तु = परंतु
सम् + जीवनी = संजीवनी
सम् + तोष = संतोष
सम् + घर्ष = संघर्ष
सम् + कल्प = संकल्प
सम् + गत = संगत
सम् + ध्या = संध्या
सम् + चय = संचय

www.jkchrome.com

(vi) 'म्' के बाद (य्, र्, ल्, व्, स्, श्, ह्) व्यंजन हो तो म् का अनुस्वार में परिवर्तन :—

सम् + हार = संहार
सम् + लग्न = संलग्न
सम् + यम = संयम
सम् + वहन = संवहन
सम् + विधान = संविधान
सम् + युक्त = संयुक्त
सम् + रक्षक = संरक्षक
सम् + शय = संशय
सम् + योग = संयोग
सम् + वत = संवत
सम् + स्मरण = संस्मरण

(vii) 'म्' के बाद म् वर्ण आये तो म् का द्वित्व :—

सम् + मान = सम्मान
सम् + मिश्रण = सम्मिश्रण
सम् + मिलित = सम्मिलित
सम् + मोहन = सम्मोहन
सम् + मानित = सम्मानित
सम् + मति = सम्मति

(viii) यदि (ऋ, र, ष) के बाद न हो तो ण हो जाता है भले ही बीच में कोई वर्ण हो :— (क तथा प वर्ग का)

परि + मान = परिमाण
कृष + न = कृष्ण
परि + नाम = परिणाम
तृष + ना = तृष्णा
भूष + अन = भूषण
ऋ + न = ऋण
शोष + अन = शोषण
विष + नु = विष्णु
प्र + मान = प्रमाण
पूर् + न = पूर्ण
हर + न = हरण

(ix) स का 'ष' मे परिवर्तन (यदि 'स' से पहले 'अ/आ' से भिन्न स्वर हो)

अभि + सेक = अभिषेक
नि + सेध = निषेध
वि + सम = विषम
नि + सिद्ध = निषिद्ध
सु + सुप्ति = सुषुप्ति
अनु + संगी = अनुषंगी
अभि + सिक्त = अभिषिक्त
अभि + साप = अभिषाप

www.jkchrome.com

(c) विसर्ग संधि :— विसर्ग के बाद स्वर/व्यंजन आने पर विसर्ग में जो परिवर्तन होता है

(i) यदि विसर्ग के बाद
- च/छ — श
- ट/ठ — ष
- त/थ — स

नि: + चल = निश्चल
नि: + चय = निश्चय
नि: + तार = निस्तार
मन: + ताप = मनस्ताप
धनु: + टंकार = धनुष्टंकार
नम: + ते = नमस्ते
नि: + तेज = निस्तेज

दु: + चक्र = दुश्चक्र
नि: + छल = निश्छल
हरि + चन्द्र = हरिश्चन्द्र
नि: + ठुर = निष्ठुर
दु: + चरित्र = दुश्चरित्र
नि: + चिन्त = निश्चिन्त
दु: + चक्र = दुश्चक्र

(ii) यदि विसर्ग के बाद श/ष/स हो तो विसर्ग यथावत

दु: + शासन = दु:शासन
नि: + संदेह = नि:संदेह
नि: + संकोच = नि:संकोच

(iii) यदि विसर्ग के बाद क/ख, प/फ आये तो विसर्ग यथावत

प्रात: + काल = प्रात:काल
अन्त: + करण = अन्त:करण

(परन्तु यदि विसर्ग से पूर्व 'इ/उ' हो तो ष)

नि: + कपट = निष्कपट
नि: + पाप = निष्पाप
दु: + कर = दुष्कर
चतु: + पाद = चतुष्पाद

नि: + कलंक = निष्कलंक
नि: + फल = निष्फल
दु: + कर्म = दुष्कर्म

(iv). यदि विसर्ग से पूर्व अ/आ से भिन्न स्वर + स्वर या किसी वर्ग का तीसरा/चौथा वर्ण हो तो विसर्ग र
(य, व, र, ल, ह)

दु: + उपयोग = दुरुपयोग
नि: + मल = निर्मल
नि: + विघ्न = निर्विघ्न
नि: + भय = निर्भय
दु: + आचार = दुराचार
नि: + आशा = निराशा
नि: + जन = निर्जन
दु: + बल = दुर्बल
नि: + बल = निर्बल
नि: + धन = निर्धन
दु: + गुण = दुर्गुण

नि: + आहार = निराहार
नि: + उत्साह = निरुत्साह
दु: + लभ = दुर्लभ
नि: + गुण = निर्गुण
नि: + यात = निर्यात
नि: + अर्थक = निरर्थक
बहि: + मुख = बहिर्मुख
पुन: + जन्म = पुनर्जन्म
दु: + जन = दुर्जन
नि: + आमिष = निरामिष
नि: + उपमा = निरुपमा

www.jkchrome.com

(V) यदि विसर्ग से पहले 'अ' + अ / किसी वर्ग का तीसरा, चौथा, पाँचवा वर्ण या (य, व, र, ल, ह) हो तो विसर्ग (ओ)

मन: + योग = मनोयोग
वय: + वृद्ध = वयोवृद्ध
मन: + रथ = मनोरथ
मन: + विज्ञान = मनोविज्ञान
अध: + गति = अधोगति
तप: + वन = तपोवन
मन: + हर = मनोहर
रज: + गुण = रजोगुण
अध: + गति = अधोगति
तम: + गुण = तमोगुण
मन: + विकार = मनोविकार
मन: + बल = मनोबल
यश: + दा = यशोदा
मन: + विनोद = मनोविनोद
मन: + रंजन = मनोरंजन
मन: + कामना = मनोकामना
तप: + बल = तपोबल

(vi) विसर्ग + (र) → विसर्ग का लोप तथा ह्रस्व, दीर्घ हो जाता है।

नि: + रोग = नीरोग
नि: + रस = नीरस
नि: + रज = नीरज
नि: + रव = नीरव

(vii) विसर्ग से पूर्व अ/आ + भिन्न स्वर → विसर्ग का लोप

अत: + एव = अतएव

(viii) विसर्ग → स्

नम: + कार = नमस्कार
पुर: + कार = पुरस्कार
भा: + कर = भास्कर

[D] हिन्दी संधियाँ :—

सब + ही = सभी
अब + ही = अभी
तब + ही = तभी
इन + ही = इन्हीं
यह + ही = यही
आधा + खिला = अधखिला
मीठा + बोल = मिठबोल
बच्चा + पन = बचपन
लड़का + पन = लड़कपन
लकड़ी + हारा = लकड़हारा
उस + ही = उसी
कहाँ + ही = कहीं
यहाँ + ही = यहीं
ला + आ = लाया
पी + आ = पिया
हाथ + कड़ी = हथकड़ी
काठ + पुतली = कठपुतली
कान + कटा = कनकटा
घोड़ा + सवार = घुड़सवार
छोटा + भैया = छुटभैया
पानी + घाट = पनघट

www.jkchrome.com

अनेकार्थी शब्द

सारंग – मृग, हाथी, घोड़ा, सिंह, कोयल, मोर, बाज, सर्प, हंस, सूर्य, चन्द्रमा, सोना, भौंरा, शंख, धनुष, मधुमक्खी, पानी, बादल, समुद्र, तालाब, बाण, स्त्री, फूल, केश, खंजन, रात्रि, दिन, श्रीकृष्ण, कामदेव

पानी – जल, सम्मान, लज्जा, चमक

द्विज – पक्षी, ब्राह्मण, दाँत, अण्डज प्राणी, चन्द्रमा

नंदिनी – गंगा, उमा, पुत्री, ननद, कामधेनु

सुरभि – गाय, पृथ्वी, ऋतु, बसंत, सोना, सुन्दर

अमृत – सुधा, जल, घी, अन्न, मुक्ति, पारा, सोना

अंबर – वस्त्र, आकाश, कपास, बादल, अभ्रक, अमृत

गो – गाय, पृथ्वी, दिशा, माता, सरस्वती, इन्द्रिय, वाणी

हर – प्रत्येक, शिव, हरण करने वाला, भिन्न के नीचे की संख्या

संधि – जोड़, निश्चय, पारस्परिक, गाँठ, सेंध, व्याकरण में अक्षरों का मेल

रंग – वर्ण, शोभा, रोब, नाच-गान, ढंग, युद्धक्षेत्र

माया – भ्रम, ईश्वर की लीला, दौलत, इन्द्रजाल

पतंग – पक्षी, सूर्य, नाव, पतिंगा

जलज – कमल, मोती, मछली, शंख, सेवार

खर – दुष्ट, गदहा, तिनका, एक राक्षस

चाल – गति, चलने का ढंग, रिवाज, धोखा, चालाकी, आहट

कनक – सोना, धतूरा, गेहूँ, टेसू

कटक – सेना, शिविर, समूह, कड़ा, शृंखला, चटाई

अज – ब्रह्मा, बकरा, जिसका जन्म न हो (ईश्वर), दशरथ

अंग – शरीर, शरीर का अवयव, शाखा, अंश

अंत – समाप्त, सीरा, मृत्यु, भेद, रहस्य

अंक – गिनती की संख्या, गोद, निशान, नाटक का अध्याय

अक्षर – वर्ण, आत्मा, नित्य, ब्रह्मा, सत्य, आकाश

अनंत – अंतहीन, नित्य, बहुत अधिक, विष्णु, आकाश, शेषनाग

अरुण – लाल, सिन्दूर, कुमकुम, बालसूर्य

अवतरण – उतरना, जन्म लेना, पार होना, उद्धरण

अवस्था – दशा, उम्र, स्थिति

आचार्य – गुरु, महापंडित, प्राचार्य, प्रवक्ता

आब – पानी, चमक, छवि

उगना – उदय, निकलना, पैदा होना, प्रकट होना

ऋण – कर्ज, दायित्व, उपकार, घटना, घटाने का चिह्न

कक्ष – कमरा, कोख, सूखी घास, सूर्य की कक्षा

www.jkchrome.com

काम - कार्य, नौकरी, कृति, कामवासना
खग - पक्षी, तारा, बाण
गंभीर - गहरा, घना, जटिल, शांत व्यक्ति, चिंताजनक
घन - बादल, बड़ा हथौड़ा, तीन का घात, जिसकी लम्बाई-चौड़ाई-ऊँचाई बराबर हो
तरंग - लहर, उमंग, स्वर लहरी
दल - टुकड़ा, पार्टी, झुण्ड, सेना की टुकड़ी
धवल - सफेद, साफ, स्वच्छ, निष्कलंक
नग - पर्वत, साँप, नगीना, संख्या
नाग - साँप, पर्वत, हाथी, बादल
नीलकण्ठ - शिव, मोर, एक पक्षी
नेपथ्य - सजावट, वेषभूषा, रंगमंच का पिछला भाग
पत्र - पत्ता, चिट्ठी, पंख, धातु का पत्तर, समाचार पत्र
पंचानन - शिव, सिंह, प्रकाण्ड विद्वान
पट - कपड़ा, पर्दा, किवाड़
पय - दूध, जल, अन्न
बाल - केश, बच्चा, गेहूँ की लट, गेंद
बिन्दु - बूँद, कण, शून्य, चिह्न, अनुस्वार
बल - शक्ति, सेना, सहारा, मरोड़, चक्कर
बलि - कर, उपहार, चढ़ावा, बलिदान, एक राजा
भोग - सुख, कर्मफल, दैवीय भोजन, कब्जा, विलास
मुद्रा - सिक्का, मोहर, अँगूठी, छापा, चिह्न, आकृति, शरीर का भाव
रस - स्वाद, द्रव, निचोड़, धातु का भस्म
शुद्ध - पवित्र, ठीक, साफ, खालिस
संज्ञा - चेतना, नाम, संकेत, ज्ञान
सिद्ध - प्रमाणित, समाप्त, तैयार, योगी
सुर - सूर्य, गंगा, वीर, राग, स्वरताल
हंस - एक पक्षी, जीवात्मा, मुक्त पुरुष, ईश्वर
अर्क - सूर्य, इन्द्र, विष्णु, ताँबा, आक, आसव
अहि - साँप, राहु, दुष्ट, वृत्रासुर, पृथ्वी, सूर्य
कपि - बन्दर, हाथी, सूर्य
चपला - बिजली, लक्ष्मी, चंचल स्त्री
अंचल - प्रदेश, सिरा, साड़ी का पल्लू
धर्म - स्वभाव, प्राकृतिक गुण, कर्तव्य, संप्रदाय

www.jkchrome.com

Q. No-(4)(अ)
(10) अंक

Qustion No (8)
(5) Mark
(Lower में सिर्फ उपसर्ग)

(अति सम अप उप कम-ज्यादा) **उपसर्ग एवं प्रत्यय** अना आई (कृत / कृदंत)
मय वाला (तद्धित)

उपसर्ग- उपसर्ग दो शब्दों से मिलकर बना है- उप + सर्ग
'उप' का अर्थ है - समीप
'सर्ग' का अर्थ है- सृष्टि
अर्थात समीप आकर सृष्टि करना
उपसर्ग किसी शब्द से पहले जुड़कर उसका अर्थ बदल देते हैं। यह बदलाव तीन प्रकार का होता है :—

(i). प्रतिकूल अर्थ में- निडर, अपमान, कुख्यात, दुश्चरित्र
(ii). नई विशेषता- प्रहार, उपदेश, उपहार
(iii). तेजी लाना - प्रबल, परिभ्रमण, अत्यधिक, अतिवृष्टि

जहाँ संस्कृत में उपसर्गों की संख्या 19 उर्दू में 12 है वहीं हिन्दी में 10 है। कुछ प्रमुख उपसर्ग निम्न है :—

संस्कृत के उपसर्ग :- (19) अति, सम, उत, प्रति, निर, निस, दुर, दुस, उप, परा, आ, सु, वि, प्र, नि

अति - अत्यन्त, अत्यल्प, अत्याचार, अतिरिक्त, अतिक्रमण, अतीत
सम - संतोष, संवेदना, संगीत, संचार, संभव, संगम, संदेह, संशुद्धि
उत - इसके कई रूप होते है :—

(उत्तदजलनच)
त का द - उद्गम, उद्भव, उद्घाटन, उद्देश्य
त का ल - उल्लास, उल्लेख, उल्लंघन
त का ज - उज्ज्वल
त का न - उन्नति, उन्नायक,
त का च - उच्चारण, उच्चाटन, उच्छ्वास

प्रति - प्रतिदिन, प्रतिकूल, प्रतिक्रिया, प्रतिलिपि, प्रत्याशा, प्रत्यारोपण
निर् - निर्दोष, निर्माण, निर्जीव, निर्दय, निर्यात, निर्वाह
निस् - निस्तेज, निष्पक्ष, निष्फल, निष्ठुर
दुर - दुर्घटना, दुर्दिन, दुर्बोध, दुर्दशा, दुर्लभ, दुराचार
दुस - दुस्साहस, दुश्चरित्र, दुष्कर्म, दुष्प्रभाव

अप - अपमान, अपयश, अपव्यय, अपहरण, अपराध, अपकार

परा - पराजय, परामर्श, पराकाष्ठा, पराक्रम

आ - आगमन, आजीवन, आरक्षण, आमरण, आभूषण, आचरण

सु - सुगम, सुगन्ध, सुरक्षा, सुदृढ़, सुवास, सुलेख

स्वागत (सु + आ + गत)

वि - विजेता, विज्ञान, विरोध, विदेश, विफल, विमुख, विधर्म

प्र - प्रबल, प्रयोग, प्रसिद्ध, प्रचार, प्रदोष, प्रकोप, प्रेरणा

नि - निबंध, निवास, निरोध, निषेध, निकृष्ट, न्यास, निद्रा

हिन्दी के उपसर्ग :- अध, उन, नि, भर, कु, सु

(10)

अध - अधखिला, अधमरा, अधपका

उन - (एक कम बताने वाला उपसर्ग)

उनतीस, उनचालीस, उनसठ, उन्नासी, उनहत्तर

नि - निडर, निठल्ला, निकम्मा, निहत्था, निष्ठा, न्यास, निद्रा

भर - भरसक, भरपूर, भरपेट

कु - कुसंग, कुपुत्र, कुबोल, कुठौर

सु - सुपुत्र, सुजान, सुडौल

उर्दू के उपसर्ग :- कम, खुश, ना, ला, बद, बे, सर, हम

(12)

कम - कमबख्त, कमजोर

खुश - खुशबू, खुशहाल, खुशखबरी, खुशमिजाज

ना - नादान, नाबालिक, नासमझ

ला - लापरवाह, लावारिस, लाइलाज

बद - बदनाम, बदचलन, बदतमीज, बदहवास

बे - बेशर्म, बेईमान, बेरहम, बेकसूर, बेइज्जत

सर - सरदार, सरकार, सरपंच, सरताज

हम - हमराज, हमदर्द, हमसाया

www.jkchrome.com

Note: कुछ शब्द ऐसे होते हैं जिनमें एक से अधिक उपसर्ग होते हैं, जैसे :—

स्वागत = सु + आ + गत
उपाध्यक्ष = उप + अधि + अक्ष
व्यवस्था = वि + अव + स्था

Note: उपसर्ग पहिचानने के लिए –

्य - वि	सु - स्	अत् - अति	अंत - अंतः
्य - नि	सं - सम	अभ - अभि	अधो - अधः
्र - प्र		प्रत - प्रति	तद् - तत्
		दुर - दुः	दुरु - दुर्
			पुन - पुनः
		उल, उद, उन, उप, उच - उत्	बिन - बहु

भाषा में उपसर्ग का महत्व :—

(i). उपसर्ग नये शब्द बनाने में सहयोग करते हैं।
(ii). भाषा की शब्दावली बढ़ती है।
(iii) विलोम शब्द बनाने में उपसर्ग काफी महत्वपूर्ण होते हैं।
(iv) उपसर्ग शब्द के अर्थ ही नहीं बदलते बल्कि उनमें एक नई विशेषता भी लाते हैं जैसे - ख्यात व प्रख्यात शब्दों के अर्थ में कोई अन्तर नहीं है लेकिन प्रख्यात शब्द कहने से एक नई विशेषता दिखने लगती है।

www.jkchrome.com

प्रत्यय

प्रत्यय : प्रत्यय किसी शब्द के बाद में जुड़ कर उसके अर्थ में नई विशेषता लाते है। प्रत्ययों का स्वयं में कोई अर्थ नहीं होता परन्तु शब्दों से जुड़ने के बाद नई विशेषता लाते हैं।

प्रत्यय दो प्रकार के होते हैं:-

(i). **कृदन्त प्रत्यय** :- वे प्रत्यय जो क्रियाओं में लगते हैं उन्हे कृत् / कृदन्त प्रत्यय कहतें हैं। - पढ् + अनीय = पठनीय

(ii). **तद्धित प्रत्यय** :- वे प्रत्यय जो संज्ञा, सर्वनाम या विशेषण आदि में लगते हैं तद्धित प्रत्यय कहलाते हैं। - बुद्धि + मान = बुद्धिमान

संस्कृत के प्रत्यय :-

कृत् प्रत्यय :- अन, अना, अनीय, अक, तव्य, आ, य, त

अन - पठन, गमन, दर्शन, सहन, कथन, बन्धन, पालन, दा...
अना - घटना, रचना, सूचना, धारणा, तुलना
अनीय - पठनीय, दर्शनीय, गमनीय, पूजनीय, सहनीय, कथनी...
अक - दर्शक, नर्तक, पाठक, रक्षक, निंदक, आलोचक
तव्य - कर्तव्य, गंतव्य, द्रष्टव्य, वक्तव्य, दातव्य
आ - कथा, चिन्ता, पूजा, परीक्षा, कृपा
य - पूज्य, दृश्य, निंद्य, पद्य, अल्प
त - ज्ञात, दन्त, गीत, मुक्त, भूत, मृत

तद्धित प्रत्यय :- मय, मान्, वान्, वर्ती, वत्, अ, ई, त्व, ता

मय - शान्तिमय, आनन्दमय, प्रेममय, जलमय, ज्योतिर्मय
मान् - बुद्धिमान्, शक्तिमान्, अभिमान्
वान् - रूपवान्, मूल्यवान्, बलवान्, धनवान्, विद्यावान्
वर्ती - आवर्ती, अनावर्ती, सीमावर्ती, अनुवर्ती
वत् - पितृवत्, पुत्रवत्, आत्मवत्

अ - कौशल, गौरव, पौरुष, शैव, दैव
ई - अनुभवी, उपयोगी, लोभी, विरागी, विरोधी, सहयोगी
त्र - एकत्र, अनेकत्र, सर्वत्र, अन्यत्र
ता - अधिकता, महानता, प्राचीनता, नवीनता, विशेषता, कुशलता, मूर्खता

हिन्दी के प्रत्यय :-

कृत प्रत्यय :- आ, ऊ, आई, आहट, आवट

आ - घेरा, झूला, ठेला, झगड़ा, लपेटा
ऊ - मारू, खाऊ, लड्डू, बिगाड़ू, लगगू
आई - पढाई, चढाई, खुदाई, जुताई, कमाई, बनवाई, धुलाई
आहट - घबराहट, चिल्लाहट, लड़खड़ाहट, जगमगाहट
आवट - सजावट, बनावट, थकावट, रुकावट

तद्धित प्रत्यय :- आ, ई, आहट, आवट, इत, इया, वाला, एरा, हारा

आ - भूखा, प्यासा, प्यारा, मैला, जोड़ा, बोझा
ई - खेती, किसानी, चोरी, सवारी, डाक्टरी
आहट - चिकनाहट, कडुवाहट, घबराहट
इया - रसोइया, भोजपुरिया, बम्बईया, गड़ेरिया
वाला - दूधवाला, सब्जीवाला, चायवाला, कारवाला, चलनेवाला
एरा - चचेरा, ममेरा, फुफेरा
हारा - लकड़हारा, चूड़ीहारा

उर्दू के प्रत्यय :-

खाना, दान, दार, नाक, बाज

खाना - गुसलखाना, पागलखाना, कैदखाना, मयखाना, दवाखाना
दान - पायदान, इत्रदान, कूड़ादान, फूलदान, खानदान, रक्तदान
दार - दुकानदार, हवादार, मालदार, इज्जतदार
नाक - खौफनाक, दर्दनाक, शर्मनाक
बाज - चालबाज, सौदेबाज, लट्ठबाज

www.jkchrome.com

उपसर्ग तथा प्रत्यय में समानता :- उपसर्ग तथा प्रत्यय दोनों

(i) नये शब्दो का निर्माण करते हैं

(ii) भाषा को समृद्ध तथा शब्दभण्डार बढाते हैं

उपसर्ग तथा प्रत्यय में अन्तर :-

क्र॰ स॰	उपसर्ग	प्रत्यय
1.	उपसर्ग मूल शब्द से पूर्व लगते हैं।	प्रत्यय मूल शब्द के बाद लगते हैं।
2.	उपसर्ग जुडने पर अर्थ विपरित, नई विशेषता आदि हो सकता है।	प्रत्यय जुडने पर मूल शब्द के अर्थ से सम्बन्धित ही अर्थ देते हैं।
3.	मूल शब्द उपसर्ग पर निर्भर करते हैं	मूल शब्द पर प्रत्यय निर्भर करते हैं।
4.	उपसर्ग मूल शब्द को निर्देशित करता है	प्रत्यय मूल शब्द से निर्देशित होता है।
5.	अधिकांश उपसर्गों का अपना स्वतंत्र अर्थ होता है।	अपवाद स्वरूप ही किसी प्रत्यय का स्वतंत्र अर्थ होता है
6.	उपसर्ग बहुदिशागामी होते हैं तथा इनका प्रयोग अपेक्षाकृत कठिन होता है।	प्रत्यय एक रेखीय होते हैं तथा इनका प्रयोग आसान होता है
7.	उपसर्ग अपेक्षाकृत प्रबुद्ध समाज में अधिक प्रयुक्त होता है	अपेक्षाकृत सरल समाज में अधिक प्रयुक्त होता है।
8.	उद्भव व विकास की दिशा ऊपर से नीचे की ओर होता है	उद्भव व विकास नीचे से ऊपर की होता है

उपसर्ग :- (अति, सम ⇒ अध, उन ⇒ कम, खुश)

संस्कृत - अति, सम, उत, प्रति
निर, निस, दुर, दुस, अप, परा
आ, सु, वि, प्र, नि

हिन्दी - अध, उन, नि, भर, कु, सु

उर्दू - कम, खुश, ना, ला, बद, बे, सर, हम

प्रत्यय :- (कृत - अना, आई, तद्धित - मय, वाला)

संस्कृत - कृत् - अन, अना, अनीय, अक, तव्य, आ, य, त
तद्धित - मय, मान, वान्, वर्ती, वत, अ, ई, इक, त

हिन्दी - कृत - आ, ऊ, आई, आहट, आवट
तद्धित - आ, ई, आहट, आवट, इल, इया, वाला
एरा, हारा

उर्दू - खाना, दान, दार, नाक, बाज

कृत प्रत्यय	तद्धित प्रत्यय
अन - पठन, कथन	मय - शान्तिमय, आनन्दमय
अना - पढ़ना, लिखना	मान् - बुद्धिमान्, शक्तिमान्
अनीय - पठनीय, कथनीय	वान् - धनवान्, बलवान
अक - पाठक, दर्शक	वर्ती - अनुवर्ती, सीमावर्ती
तव्य - वक्तव्य, कर्तव्य	वत् - पुत्रवत्, पितृवत्
आई - पढ़ाई, लिखाई	वाला - दूधवाला, चायवाला
आहट - घबराहट, चिल्लाहट	एरा - चचेरा, ममेरा
आवट - सजावट, बनावट	हारा - लकड़हारा, चूड़ीहारा

www.jkchrome.com

Q.No-9
5 Mark

तद्भव- तत्सम

तत्सम (संस्कृत) :- किसी भाषा के मूल शब्द को तत्सम कहते हैं।
तत् = उसके
सम = समान

तद्भव (भोजपुरी) :- किसी भाषा के विकृत शब्द को तद्भव कहते हैं।
तद् = उससे
भव = उत्पन्न

सगे-सम्बन्धियों से सम्बन्धित :-

तद्भव	तत्सम	तद्भव	तत्सम
मातृ — माँ / अम्मा	अंब (अम्ब)	मौसी	मातृश्वसा
पिता	पितृ	बुआ	पितृश्वसा
बच्चा	वत्स	सास	श्वसा
भाई	भ्रातृ	ससुर	श्वसुर
बहन	भगिनी	दामाद	जामाता
चाचा	पितृव्य	देवर	द्विवर
भतीजा	भ्रातृव्य	सौत	सपत्नी
भांजा	भागिनेय	पतोहू	पुत्रवधू
दूल्हा	दुर्लभ	दाई	धात्री
पड़ोसी (पड़ोसी – परिवेशिक)	प्रातिवेश	सिक्ख	शिष्य
भाभी	भ्रातृभार्या	रानी	राज्ञी
सुहाग	सौभाग्य	राजा	राजन्
ननदोई	ननांदृपति		

शरीर के अंगो से सम्बन्धित :-

तद्भव	तत्सम	तद्भव	तत्सम
मुँह	मुख	ओठ/होठ	ओष्ठ
सिर	शीर	जीभ	जिह्वा
माथा	मस्तक	कान	कर्ण
आँख	अक्षि	हाथ	हस्त
भौंह	भ्रू	अंगूठा	अंगुष्ठ

पक्षियों से सम्बन्धित :-

मोर - मयूर
कबूतर - कपोत
कोयल - कोकिल
कौआ - काक
बगुला - बक
गिद्ध - गृध्र
उल्लू - उलूक
चिड़िया - चटिका

कीड़े-मकोड़े से सम्बन्धित :-

मक्खी - मक्षिका
मच्छर - मशक
मकड़ी - मरकटक
मछली - मत्स्य
मेढ़क - मण्डूक
खटमल - खट्वामल
भौंरा - भ्रमर
साँप - सर्प
बिच्छू - वृश्चिक

धातुओं से सम्बन्धित :-

ताँबा - ताम्र
कांसा - कांस्य
लोहा - लौह
लाख - लाक्षा
सोना - स्वर्ण
चाँदी - रजत
फिटकरी - स्फटिक
हीरा - हीरक

महीनों के नाम से सम्बन्धित :-

असाढ़ - आषाढ़
भादो - भाद्र
सावन - श्रावण
चैत - चैत्र
फागुन - फाल्गुन
कातिक - कार्तिक
अगहन - अग्रहायण

व्यावसाय से सम्बन्धित :-

बढ़ई - वर्धकिन्
लोहार - लौहकार
कुम्हार - कुंभकार
सेठ - श्रेष्ठि
सोनार - स्वर्णकार
नाई - नापित
गवैया - गायक
केवट - कैवर्त्त
ग्वाल - गोपाल

www.jkchrome.com

तद्भव - तत्सम

बाभन - ब्राह्मण
ठाकुर - ठक्कुर
राजपूत - राजपुत्र
अहीर - आभीर
बत्ती - वर्तिका
दीया - दीप
अटारी - अट्टालिका
कोठ - कोष्ठ
किवाड़ - कपाट
भिच्छा - भिक्षा
पुरुषारथ - पुरुषार्थ
तालाब - तड़ाक
कुँआ - कूप
पोखर - पुष्कर
आग - अग्नि
पानी - पानीय
खुजली - कण्डु
पछतावा - पश्चाताप
बालू - बालुका
खाट/खटिया - खट्वा
धुँआ - धूम्र
लाठी/लउर - लगुड
ढीठ - धृष्ट
कपूर - कर्पूर
चरित - चरित्र
भेस - वेश

तद्भव - तत्सम

सांकल - श्रृंखला
अंगीठी - अग्निष्ठिका
खण्डहर - खण्डगृह
तुरन्त - त्वरित
चूल्हा - चुल्लि:
उबटन - उद्वर्तन
पिय/पिया - प्रिय
मैं - मध्य
नौ - नव
चौकी - चतुष्पादिका
बच्चा - वत्स
अनाड़ी - अनार्य
उबलना - उद्बालन
कल - कल्य
कहानी - कथानिका
घड़ी - घटिका
ठंडा - स्तब्ध
दूब - दूर्वा

www.jkchrome.com

पैर - पाद
आँत - आँत्र
फेफड़ा - फुफ्फुस
नयन/नैन - नेत्र
पीठ - पृष्ठ
आँसू - अश्रु
दाहिना - दक्षिण
बायाँ - वाम
दाढ़ी - दंष्ट्रिका
अंधा - अंध
अपाहिज - अपादहस्त

पूँछ - पुच्छ
नाखून - नख
मूँछ - श्मश्रु
कोख - कोष्ठ
कंधा - स्कन्ध
भूख - बुभुक्षा
नाक - नासिका
हड्डी - अस्थि
पसीना - प्रस्विन्न
रोआँ - रोम
तोंद - तुंद

रंगो से सम्बन्धित :-

लाल - रक्त
हरा - हरित
पीला - पीत
गेरूआ - गैरिक

उजला - उज्ज्वल
काला - कज्जल
गोरा - गौर

पशुओं से सम्बन्धित :-

कुत्ता - कुक्कुर
हिरन - हरिण
घोड़ा - घोटक
गधा - गर्दभ
सियार - शृंगाल
ऊँट - उष्ट्र
भेड़/भेड़ा - मेष
नेवला - नकुल
चौपाया - चतुष्पद
हिनहिनाना - ह्रेषण

बाघ - व्याघ्र
सिंह - शार्दूल
हाथी - हस्ति
गाय - गो
बंदर - वानर
भैंसा - महिष
बछड़ा - वत्स
भौंरा - भ्रमर

www.jkchrome.com

फल एवं सब्जियां :-

आम - आम्र
जामुन - जंबू
कटहल - कंटफल
केला - कदली
नारियल - नारिकेल
बेल - बिल्व
नीम - निंब
इमली - आम्लिका
आँवला - आमलक
गेहूँ - गोधूम
अमचूर - आम्रचूर्ण
घी - घृत
चना - चणक
लौंग - लवंग
सरसों - सर्षप
छिलका - शकल
खीर - क्षीर
पकवान - पक्वान्न
भात - भक्त
तीता - तिक्त
बेर - बदरी
नींबू - निंबुक
खजूर - खर्जूर
अदरक - आर्द्रक
हल्दी - हरिद्रा
कैथा - कपित्थ
करेला - कारवेल्लक
ईख - इक्षु
पत्ता - पत्र
शक्कर - शर्करा
फूल - फुल्ल
अखरोट - अक्षोट
लहसुन - लशुन
सत्तू - सक्तु
कुम्हड़ा - कूष्माण्ड
दही - दधि
मिठाई - मिष्टि
पक्का - पक्व
कच्चा - कच्च
दूध - दुग्ध
मक्खन - मंथज

वस्त्र / आभूषण सम्बन्धी

कपड़ा - कर्पट
पलंग - पर्यंक
कंगन - कंकण
भभूत - विभूति
पनही - उपानह
सूई - सूचिका
सिंगार - श्रृंगार
अंगोछा - अंगोंछन
दुपट्टा - द्विपट्ट
जनेऊ - यज्ञोपवीत
कंघी - कंकती
लंगोट - लिंगपट्ट
घूंघट - गुंठन

www.jkchrome.com

तद्भव	तत्सम
सूरज	सूर्य
चन्द्रमा/चाँद	चन्द्र
चाँदनी	चन्द्रिका
रस्सी	रज्जु
किवाड़	कपाट
पत्थर	प्रस्तर
ढेला	दल
इतवार	आदित्यवार
गड्ढा	गर्त
टीका	तिलक
सेज	शय्या
महँगा	महार्घ
बाजा	वाद्य
खंभा	स्तम्भ
फोड़ा	स्फोटक
बाहर	बहिः
भीतर	आभ्यन्तर
लोहा	लौह
सूना	शून्य
नींद	निद्रा
बहिरा	बधिर
मेह	मेघ
आसरा	आश्रय
सरग	स्वर्ग
सुमिरन	स्मरण
नरक	नर्क
जुआ	द्यूत
उघाड़ना	उद्घाटन

तद्भव	तत्सम
तिनका	तृण
गेंद	कंदुक
गांठ	ग्रन्थि
गेह	गृह
खेत	क्षेत्र
दुबला	दुर्बल
भीख	भिक्षा
बूँद	बिन्दु
पहाड़	पाषाण
गोबर	गोमय
बूढ़ा	वृद्ध
जवान	युवन्
ढीला	शिथिल
आँचल	अंचल
दुर्गुन	दुर्गुण
मानुस	मनुष्य
रस्सी	रज्जु
काज/कारज	कार्य
काम	कर्म
खाँसी	क्वास
गहरा/गाहिर	गंभीर
राख	क्षार
सुहाग	सौभाग्य
गुन	गुण
चाक	चक्र
दोना	द्रोण
सुई	सूचिका
मिट्टी	मृदा

www.jkchrome.com

LDA/UDA : 2006.

आखर - अक्षर
ऊँची - उच्च
घड़ा - घट
नाक - नासिका
साँप - सर्प

UP : SDI : 2008

ससुर - श्वसुर
पलंग - पर्यंक
ओठ - ओष्ठ
कान - कर्ण
जमुना - यमुना
बाहर - बहि:
ईख - इक्षु
अटारी - अट्टारिका
बन्दर - वानर
भौंरा - भ्रमर
पत्ता - पत्र
कपड़ा - कर्पट
हवा - पवन

UP : NT : 2006

खाट - खट्वा
पनही - उपानह
पोखर - पुष्कर
दाहिना - दक्षिण
सुई - सूचिका
पोथी - पुस्तक
गनेस - गणेश

APO : 1988

गधा - गर्दभ
नाक - नासिका
अंगोछा - अंगोच्छन
घोड़ा - घोटक
बछड़ा - वत्स

APO : 1994

दरसन - दर्शन
मानुस - मनुष्य
तीरथ - तीर्थ
पुरुषारथ - पुरुषार्थ
सबद - शब्द

APO : 1996.

शक्कर - शर्करा
खेत - क्षेत्र
गीध - गृध्र
नेह - स्नेह
गाय - गो

APO 1997

आँसू - अश्रु
आग - अग्नि
गाँठ - ग्रन्थि
घर - गृह
पुराना - पुरातन

APO : 2002

केस - केश
आग - अग्नि
आसमान - आकाश
कड़वा - कटु
जीभ - जिह्वा

www.jkchrome.com

Lower (Mains) 2008:

देवर - द्विवर
भतीजा - भ्रातृव्य
ससुर - श्वसुर
सौत - सपत्नी
जेठ - ज्येष्ठ

Lower (Mains) 2006.

कोख - कोष्ठ
पीठ - पृष्ठ
बिसरना - विस्मृति
छठा - षष्ठ
चख - चक्षु

Lower (Mains) 2004

कंधा - स्कंध
पत्थर - प्रस्तर
भूख - बुभुक्षा
मिट्टी - मृदा
कड़वा - कटु

Lower (Mains) 2003.

गेहूँ - गोधूम
नीम - निंब
दही - दधि
खेत - क्षेत्र
आँसू - अश्रु

Lower (Mains) 2002

परगट - प्रकट
कान्हा - कृष्ण
मौत - मृत्यु
गँवार - ग्रामीण
अचरज - आश्चर्य

Lower (Mains) Spl. 2002

चौथा - चतुर्थ
आँख - अक्षि
बच्चा - वत्स
भगत - भक्त
आम - आम्र

Lower (Mains) 1998

गाँठ - ग्रन्थि
पतोहू - पुत्रवधू
गोसाईं - गोस्वामी
कंगन - कंकण
भभूत - विभूति

LDA/UDA - 2010

अंगीठी - अग्निष्ठिका
सिंगार - श्रृंगार
हल्दी - हरिद्रा
गेहूँ - गोधूम
खण्डहर - खण्डगृह

Q.No. - 4 (घ) (10) अंक

Q.No. (5) अंक

विलोम

Lower: 2008

अति - न्यून
इति - अथ
ग्रहण - त्याग
सरल - जटिल
निरामिष - सामिष

Lower: 2006

नैसर्गिक - कृत्रिम
अवरोह - आरोह
सूक्ष्म - स्थूल
विग्रह - समास
तमस - ज्योतिर्मय

Lower 2004

अनुलोम - विलोम
अनिवार्य - वैकल्पिक
अद्यतन - पुरातन
अमावस्या - पूर्णिमा
भोगी - योगी

Lower 2003

छली - निश्छल
अंतरंग - बहिरंग
ऐश्वर्य - अनैश्वर्य
समास - विग्रह
मूक - वाचाल

Lower 2002

भौतिक - आध्यात्मिक
विश्लेषण - संश्लेषण
आमिष - अनामिष
कीर्ति - अपकीर्ति
निष्काम - सकाम

Lower 2002 (Spl.)

जागृति - सुषुप्ति
राग - द्वेष
करुण - निष्ठुर
उत्तम - अधम
अनुरक्त - विरक्त

Lower 1998

महान् - क्षुद्र
अंतरंग - बहिरंग
असीम - ससीम
दुःखी - सुखी
विवेकी - अविवेकी

PCS (Pre) 2012

V. Imp. प्रवेश - निकास (विधि-निषेध)
मूक - वाचाल
भूत - भविष्य
पुरस्कार - तिरस्कार

PCS (Mains) 2012

असली - नकली
उत्कर्ष - अपकर्ष
विधवा - सधवा
कपटी - निष्कपट
मुख्य - गौण
समास - विग्रह
सुशील - दुःशील
निरामिष - सामिष
दीर्घ - ह्रस्व
प्रवृत्ति - निवृत्ति

PCS : 2011.

सावधान - असावधान
सुलभ - दुर्लभ
अक्षर - क्षर
पण्डित - मूर्ख
कुसुम - वज्र
वीर - कायर
रथी - विरथी
खंडन - मंडन
अभिमानी - निराभिमान
मानवता - पशुता

PCS : 2010

अर्पित - प्रतीत
उन्मुख - विमुख
उपचार - अपचार
कृत्रिम - प्राकृतिक
जोड़ - तोड़
तृष्णा - तृप्ति
थोक - फुटकर
धृष्ट - शिष्ट
भूगोल - खगोल
विधि - निषेध

PCS : 2009

चुस्त - सुस्त
सुमति - कुमति
ह्रास - वृद्धि
अभिशाप - वरदान

[illegible]

उपादेय - अनुपादेय
परमार्थ - स्वार्थ
स्थिर - अस्थिर
संयोग - वियोग
वैभव - पराभव
स्थावर - जंगम

PCS : 2008

विज्ञ - अज्ञ
गुप्त - मुक्त
महात्मा - दुरात्मा
स्मरण - विस्मरण
सूक्ष्म - स्थूल
आगामी - पूर्वगामी
प्रधान - गौण
विशेष - सामान्य
संधि - विच्छेद
पण्डित - मूर्ख

PCS : 2008 (Spl.).

प्रत्यक्ष - परोक्ष
समस्या - समाधान
अन्तर्द्वन्द्व - बहिर्द्वन्द्व
आविर्भाव - तिरोभाव
आहूत - अनाहूत
आध्यात्मिक - सांसारिक
व्यष्टि - समष्टि
संन्यास - गृहस्थ

P.C.S : 2007

अल्पज्ञ - बहुज्ञ
उत्कृष्ट - निकृष्ट
उद्धत - विनीत
कृश - पुष्ट
ग्रामीण - शहरी
तटस्थ - पक्षधर
धृष्ट - शिष्ट
निर्दय - सदय
भाव - अभाव
विधि - निषेध

PCS : 2006

अल्पज्ञ - बहुज्ञ
अपेक्षा - अनपेक्षा
अथ - इति
अतिवृष्टि - अनावृष्टि
अवनि - अंबर
आलोक - तिमिर
उत्कर्ष - अपकर्ष
उदयाचल - अस्ताचल
उत्तरायण - दक्षिणायन
कनिष्ठ - ज्येष्ठ
ग्राह्य - त्याज्य
गुरु - लघु
निरामिष - सामिष
विधवा - सधवा

PCS : 2005

अनंत - सांत
अर्वाचीन - प्राचीन
आवर्तक - अनावर्तक
व्यष्टि - समष्टि
अनुराग - विराग
निंद्य - वंद्य
सृजन - विनाश
शोषक - पोषक
मूक - वाचाल
स्वार्थ - परमार्थ

PCS : 2004

उत्कर्ष - अपकर्ष
दुर्गम - सुगम
पराजय - विजय
प्रत्यक्ष - परोक्ष
स्वागत - तिरस्कार
सदाचार - कदाचार
दुर्गम - सुगम
अनाहूत - आहूत
अपव्यय - मितव्यय
अलभ्य - लभ्य

www.jkchrome.com

PCS : 2003

अवर - प्रवर
अल्पज्ञ - बहुज्ञ
अकाल - सुकाल
आहूत - अनाहूत
आगामी - गगामी
समास - विग्रह
उन्मूलन - रोपण
एकाग्र - चंचल
काल्पित - यथार्थ
गुरु - लघु
दीर्घ - ह्रस्व
द्वंद्व - निर्द्वंद्व
उर्वर - बंजर
कृत्रिम - प्राकृतिक

PCS : 2002

अभिज्ञ - अनभिज्ञ
आरोह - अवरोह
खंडन - मंडन
घात - प्रतिघात
संघटन - विघटन
निरामिष - सामिष
विधवा - सधवा
सत्याग्रह - दुराग्रह
संकल्प - विकल्प

PCS : 2001.

जंगम - स्थावर
सहयोगी - प्रतियोगी
दृश्य - अदृश्य
क्षणिक - शाश्वत

PCS : 2000

असीम - ससीम
अनुग्रह - दुराग्रह
निद्रा - अनिद्रा
तेजस्वी - निस्तेज
गुरु - लघु
ज्येष्ठ - कनिष्ठ
कृत्रिम - प्राकृतिक
संकीर्ण - विस्तीर्ण
विस्तृत - सीमित
शुष्क - आर्द्र
श्रोता - वक्ता

PCS: 1999

अनंत - सांत
अर्वाचीन - प्राचीन
आवर्तक - अनावर्तक
ऋजु - वक्र
व्यष्टि - समष्टि
समास - विग्रह
अनुराग - विराग
कनिष्ठ - ज्येष्ठ
निंद्य - वंद्य
स्वार्थ - परमार्थ
मूक - वाचाल

PCS : 1998

उत्थान - पतन
मानवीय - अमानवीय
चेतन - जड़
सामिष - निरामिष
संकीर्ण - विस्तीर्ण
विशिष्ट - सामान्य
आकर्षण - विकर्षण
उपमान - उपमेय
अनुनासिक - निरनुनासिक
पुरस्कार - तिरस्कार
उत्कर्ष - अपकर्ष

PCS : 1997

आकाश - पाताल
मग्न - म्लान
उत्थान - पतन
ज्येष्ठ - कनिष्ठ
मानवीय - अमानवीय
उपमेय - उपमान
तृष्णा - तृप्ति
वादी - प्रतिवादी
चेतन - जड़
सामिष - निरामिष

PCS : 1996.

आर्द्र - शुष्क
अल्पज्ञ - बहुज्ञ
अधम - उत्तम
आकर्षण - विकर्षण
कीर्ति - अपकीर्ति
संकीर्ण - विस्तीर्ण
तुच्छ - महान्
नश्वर - शाश्वत
विस्तृत - सीमित
विशिष्ट - सामान्य

PCS : 1995

अनुराग - विराग
आर्द्र - शुष्क
विशेष - सामान्य
निर्मल - मलिन

PCS : 1994

अनिवार्य - वैकल्पिक
कृपा - कोप
ज्येष्ठ - कनिष्ठ
संयोग - वियोग
स्थूल - सूक्ष्म

www.jkchrome.com

भू - ख
धरा - गगन
अवनि - अंबर
वसुधा, पृथ्वी, धरती - आकाश
जमीं - आसमां
सम - विषम
प्रकाश - अन्धकार
उजाला - अंधेरा
ईमानदार - बेईमान
अमीर - गरीब
महान् - क्षुद्र
महानता - क्षुद्रता
काल्पित - यथार्थ
अभिज्ञ - अनभिज्ञ
अज्ञ - प्रज्ञ
अल्पज्ञ - बहुज्ञ
विशेषज्ञ - सर्वज्ञ
राग - द्वेष
अनुराग - विराग
अनुरक्ति - विरक्ति
अनुरक्त - विरक्त
अगम - गमनीय
सुगम - दुर्गम
अत्यधिक - अत्यल्प
अधिक - अल्प
अधिकतम् - अल्पतम्
व्यष्टि - उपव्यष्टि
वृहत् - सीमित
दीर्घ - ह्रस्व
विस्तृत - सीमित
अतिथि - मेजबान
आगमन - प्रस्थान

गत - आगत
उद्घाटन - समापन
गुरु - लघु
गुरु - शिष्य
दरिद्र - संपन्न
बंधन - मुक्ति
बद्ध - मुक्त
आदि - अंत
प्रारंभ - समाप्त
अथ - इति
प्रथम - अंतिम
संयोग - वियोग
संयुक्त - वियुक्त
तृष्णा - तृप्ति
त्याग - ग्रहण
गुप्त - प्रकट
कम - ज्यादा
पूर्वाह्न - अपराह्न
राजतंत्र - प्रजातंत्र
कुटिल - सरल
वक्र - ऋजु
जाग्रत - सुप्त
जागृति - सुषुप्ति
जागरण - निद्रा
पुरस्कार - तिरस्कार
स्मृति - विस्मृति
स्मरण - विस्मरण
समता - विषमता
अवनि - अंबर
उन्मूलन - रोपण
नत / अवनत - उन्नत

www.jkchrome.com

RO/ ④ t
20 Marks
समीक्षा अधिकारी
Rol. No—

प्रशासनिक शब्दावली

Adverse — विपरित, प्रतिकूल
Census — जनगणना
Literacy — साक्षरता
Preference — अधिमान, स्वाधिकार
Up to date — अद्यावधिक, अद्यतन
Instruction — अनुदेश
Lump sum — एकमुश्त
Tender — निविदा
Dinner/supper — रात्रिभोजन
Rebate/concession — रियायत
Ministerial — क्लर्कवर्गीय, लेखकवर्गीय, मंत्रालयिक
Indemnity Bond — क्षतिपूरक प्रतिज्ञापत्र
Beneficiary — माफीदार आसामी, लाभार्थी
Power of attorney — अभिकर्तापत्र, प्रतिनिधि अधिकार
Reimbursement — प्रतिपूर्ति, अदायगी, चुकौती
Reinvestment — पुनर्विनियोग
Substitute — स्थानापन्न
Code of conduct — आचार संहिता
Acquisition — अधिग्रहण
Contingent Expenditure — आकस्मिक व्यय
Liability — उत्तरदायित्व, जिम्मेदारी
Exclude — अपवर्जन, अलग करना
Contempt — अवमानना
Superintendent — अधीक्षक
Division — खण्ड, प्रभाग, बंटवारा
Recurring — आवर्ती, आवर्तक, वार्षिक
Levy — उद्ग्रहण, उगाहना
Charge — आरोप, भार
Cost — निर्देश, सम्मान
Malafide — दुर्भाव‌ग्रस्त
Surcharge — अधिभार

www.jkchrome.com

Requisition - अधिग्रहण, अभियाचन, मांग, तलबी
Respite - विराम
Restriction - निर्बन्धन
Retirement - निवृत्ति
Revoke - निरस्त करना
Reward - पारितोषिक
Saving - व्यावृत्ति, बचत
Sinking fund - निक्षेप निधि
Stock Exchange - श्रेष्ठि-चत्वर
Succession - उत्तराधिकार
Sue - वाद लाना
Suffrage - मताधिकार
Summon - आह्वान
Violation - अतिक्रमण
Votes on account लेखानुदान
Votes of Credit - प्रत्यानुदान
Warrant - अधिपत्र, अधिकार पत्र
Acknowledgement - पावती
Adjustment - समायोजन
Arrears बकाया
Bearer - वाहक
Clearance - निकासी
Convertable - परिवर्तनीय
Due - देय
Forefeiture - जब्ती
Lease - पट्टा
No effects - रुपया नहीं
Out go खर्च
Out-put - उत्पादन
Pawn - गिरवी
Redemption - प्रतिदान, विमोचन
Release - मोचन, निर्मोचन, मुक्ति

www.jkchrome.com

Stabilization- स्थिरीकरण
Stagnation- गतिरोध
Transfer- अंतरण, स्थानान्तरण
Aforesaid - पूर्वोक्त
Agenda- कार्यसूची
Cadre- संवर्ग
Despatch- प्रेषण
Dictation- श्रुतलेख, श्रुतिलेख
Efficiency Bar- दक्षता रोक
Enclosure- अनुलग्नक
Execute- कार्यन्वयन
Facsimile- प्रतिकृति, अनुलिपि
Mint- टकसाल
Obligatory- बाध्यकर
Personnel- कार्मिक
Retrenchment- छंटनी
Takeover- कार्यभार
Boom- तेजी
Devaluation- अवमूल्यन
Errors and Omission- भूल-चूक
Exemption- छूट, माफी
Issue - निर्गम
Mandate- अधिदेश
Per capita- प्रतिव्यक्ति
Subsidy - परिदान, अनुदान
Transit - पारगमन
Wear and tear - टूट-फूट

www.jkchrome.com

Passport - पारपत्र
Authorised - प्राधिकृत
Fund - निधि
Terminal Tax, Customs - सीमाकर
Treaty - सन्धि
Tenure - पदावधि
Guarantee - प्रत्याभूति
Approval - अनुमोदन, संस्तुति
Divident - लाभांश
First information Report - प्राथमिकी (पुलिस विभाग से सम्
Civil - दीवानी
Suspension, Dismiss - मुअत्तल, निलंबन
Executive - कार्यपालिका
Ejectment - निष्कासन, बेदखली
Bequest - वसीयत
Verdict - निर्णय, अधिमत
Countersign - प्रतिहस्ताक्षर
Advance - अग्रिम
Adhoc - तदर्थ
Circular - परिपत्र
Regulation - नियमन, विनियमन
Deduction - कटौती
Entry - प्रवेश
Grant - अनुदान
Illegal - अवैध
Notification - अधिसूचना
Reminder - अनुस्मारक, स्मरण पत्र
Major Head - मुख्यशीर्षक
Exchange rate - विनिमय दर
Tribunal - न्यायाधिकरण
Criminal Procedure code - दण्ड संहिता (अपराध प्रक्रिया संहिता)

www.jkchrome.com

Representation - प्रत्यावेदन, निरूपण, प्रतिनिधित्व
Revision - पुनरीक्षण
Registration - निबन्धन, पंजीकरण
Sovereign - संप्रभुता
Report - प्रतिवेदन
Cause of Action - कार्य का कारण
Paper under consideration - विचाराधीन अभिलेख
Sub Judice - न्यायालय के विचाराधीन
Quarterly - त्रैमासिक
Subject of approval - अनुमोदन के लिए विचाराधीन
Above written - उपरिलिखित
Quasi Judicial - अर्द्धन्यायिक
Legislative Assembly - विधानसभा
Human Right commission - मानवाधिकार आयोग
Subsistence Allowance - गुजाराभत्ता
Public service commission - लोक सेवा आयोग
Short term Appointment - अल्पकालिक नियुक्ति
Security - प्रतिभूति, जमानत, सुरक्षा
Prosecution - अभियोजन
Employment - सेवायोजन
Essential commodities Corporation - आवश्यक वस्तु निगम
Assembly speaker - विधान सभा अध्यक्ष
Invention - आविष्कार
Parliament House - संसद भवन
Honesty - ईमानदारी
Central Excise - केन्द्रीय उत्पाद शुल्क
Semi official letter - अर्द्धशासकीय पत्र
Public Accounts committee - लोक लेखा समिति
Proper Value - उचित मूल्य
Government orders - शासनादेश
Circular - परिपत्र

www.jkchrome.com

Licence - अनुज्ञप्ति, अनुज्ञापत्र
Licencee - अनुज्ञापी
Reminder. अनुस्मारक
Endorsement - पृष्ठांकन
Notification - अधिसूचना
Press Communique, Press Note - प्रेस विज्ञप्ति
Press Report - प्रेस विज्ञप्ति
office order - कार्यालय आदेश
office Memorandum - कार्यालय ज्ञाप
Above said - उपर्युक्त
Account Book - लेखा पुस्तिका
Act of Misconduct - दुर्व्यवहार का कृत्य
As far as possible - जहाँ तक संभव हो
Balance - अवशेष
Call Bell - बुलाने की घंटी
Charge sheet - अभियोग पत्र
Director General - महानिदेशक
In due course - सामान्य अवधि के अन्दर
General Rule - सामान्य नियम
Good will - सद्भावना
Head Quarter - मुख्यालय
Per annum - प्रतिवर्ष
Subject approval of - अनुमोदन का विषय
under consideration - विचाराधीन
Evidence - साक्ष्य
Gravitation - गुरुत्वाकर्षण
Memorandum - ज्ञापन
Incentives - मानदेय, प्रोत्साहन
Association - संघ
Custom Duty - सीमाशुल्क
Probationary - परिवीक्षाधीन

www.jkchrome.com

Acceptance - सहमति, स्वीकृति, मंजूरी
Translation - अनुवाद
Investment - निवेश
Bio-Energy - जैव ऊर्जा
Satellite - उपग्रह
computer - संगणक
Manifesto - घोषणापत्र
Working-schedule - कार्य-सूची
Clint - मुवक्किल
Formal - औपचारिक
Attest - सत्यापन
Appendix - परिशिष्ट
Controller - नियंत्रक
Statistics - सांख्यिकी
Significance - महत्त्व,दृष्टि
Officiating - स्थानापन्न
Subordinate - अधीनस्थ
Taxation - कराधान
Ordinance - अध्यादेश, विधि
Record - अभिलेख
Draft - प्रारूप
Jurisdiction - क्षेत्राधिकार

Abandonment - परित्याग
Accusation - अभियोग
Adaptation - अनुकूलन
Adherence अनुषक्ति, साथ-साथ लगे रहना, चिपकाव
Adjournment - स्थगन
Adulteration - अपमिश्रण, मिलावट
Adult suffrage - वयस्क मताधिकार
Advance - अग्रिम
Agency - अभिकरण
Agent - अभिकर्ता

www.jkchrome.com

Affirmation - प्रतिज्ञान, पुष्टिकरण, प्रतिज्ञा
Agreement - करार
Amendment - संशोधन
Amnesty - आम माफी
Appeal - पुनर्विचार प्रार्थना
Appended - संलग्न, अनुलग्न
Appropriation - विनियोग
Arbitrary - स्वच्छन्द, मनमानी
Arbitration - मध्यस्थ निर्णय, पंचनिर्णय
Arbitrator - मध्यस्थ
Assent - स्वीकृति, अनुमति, रजामन्दी
Assessment - मालगुजारी, कर-निर्धारण
Assignment - सुपुर्दगी, अभिहस्तांकन
As the case may be - यथास्थिति
Assurance of Property - संपत्ति हस्तान्तरण पत्र
Attachment - कुर्की, लगनी, अनुप्रासंग
Audit - लेखा-परीक्षा
Autonomous - स्वायत्त
Auxiliary - सहायक
Permit - अनुज्ञा
Bail - जमानत
Bankruptcy - दिवाला
Bill of Exchange - विनिमय पत्र
Body - निकाय
Bye-election - उपनिर्वाचन
Cantonment - छावनी
Capital - पूंजी
Casting vote - निर्णायक मत
Cause - वाद
Cess - उपकर
Certiorari - उत्प्रेषण
Charity - दातव्य

Deed - विलेख
Defamation - मानहानि
Deliberation - विचार-विमर्श, पर्यालोचन
Delimitation - परिसीमन
Demarcation - सीमांकन
Derogation - अपमान
Discharge - विमुक्ति
Disperse - विसर्जन
Dissent - विमति
Document - दस्तावेज
Domicile - अधिवास
Efficiency of Administration - प्रशासन कार्य क्षमता
Electorate - निर्वाचक मण्डल
Enactment - अधिनियम
Entry - प्रविष्टि
Estate - संपदा
Exofficio - पदेन
Extradition - प्रत्यर्पण
Fine - अर्थदण्ड, जुर्माना
Future Market - वायदा कारोबार
Gazatte - राजपत्र
Gratuity - उपदान
Hazardous - संकटमय
Honorary - अवैतनिक
Impeachment - महाभियोग
Implementing - परिपालन
Incorporation - निगमन
Inspection - पर्यवेक्षण, निरीक्षण
Intercourse - समागम
Interpretation - निर्वचन, व्याख्या
Involved - अन्तर्ग्रस्त
Legislation - विधान

www.jkchrome.com

Disposal - निष्पादन, निपटान
Chronological summary - तिथिवार सारांश
amalgamated - मिला देना
Preceding - विगत, पिछला, पूर्ववर्ती
Competent - सक्षम
Certified - प्रमाणित
Bona Vacancia - स्वामीहीनत्व
claim - दावा
Clarification - स्पष्टीकरण
Coinage - टंकण
Common good - सार्वजनिक कल्याण
Colonization - उपनिवेशन
Company - समवाय, कम्पनी
Compensation - प्रतिकार, क्षतिपूर्ति
Concurrence - सहमति
Concurrent - समवर्ती
Condition - शर्त
Consent - सम्मति
Consequential - आनुषंगिक
Consolidated fund - संचित निधि
Consul - वाणिज्य दूत
Consumption - उपभोग
Contract - संविदा
Contravention - उल्लंघन, प्रतिकूलता
Convention - अभिसमय, परंपरा, रूढ़
Copy - प्रतिलिपि
Court Martial - सेनान्यायालय
Credit - साख
Custody - अभिरक्षा, निरोध
Decree - आज्ञप्ति
Debenture - ऋणपत्र
Debit - विकलन

www.jkchrome.com

Letters of Credit - प्रत्यय पत्र
Lunacy उन्माद
Majority - बहुमत
Maternity relief - प्रसूती साहाय्य
Memo - ज्ञाप, स्मृतिपत्र
Migration - प्रव्रजन
Minor - नाबालिक
Misbehaviour - कदाचार
Nomination - मनोनयन
Pending - लंबित
Pension - निवृत्ति वेतन
Permission - अनुज्ञा
Perquisite - परिलब्धि
Possession - कब्जा, अधिकार
Preside - पीठासीन
Privilege - विशेषाधिकार
Process - आदेशिका, प्रक्रिया
Prohibited - निषिद्ध
Promulgation - प्रख्यापन, प्रचारित
Prorogue - सत्रावसान
Proxy - प्रतिपत्री, प्रतिहस्तक पत्र
Public demand - सार्वजनिक अभियाचना
Quorum - गणपूर्ति
Ratification - अनुसमर्थन
Recommendation - संस्तुति
Reference - निर्देश
Relevant - सुसंगत
Remission - परिहार
Remuneration - पारिश्रमिक
Repeal - निरसन
Reprieve - प्रविलम्बन करना

www.jkchrome.com

JK Chrome

JK Chrome | Employment Portal

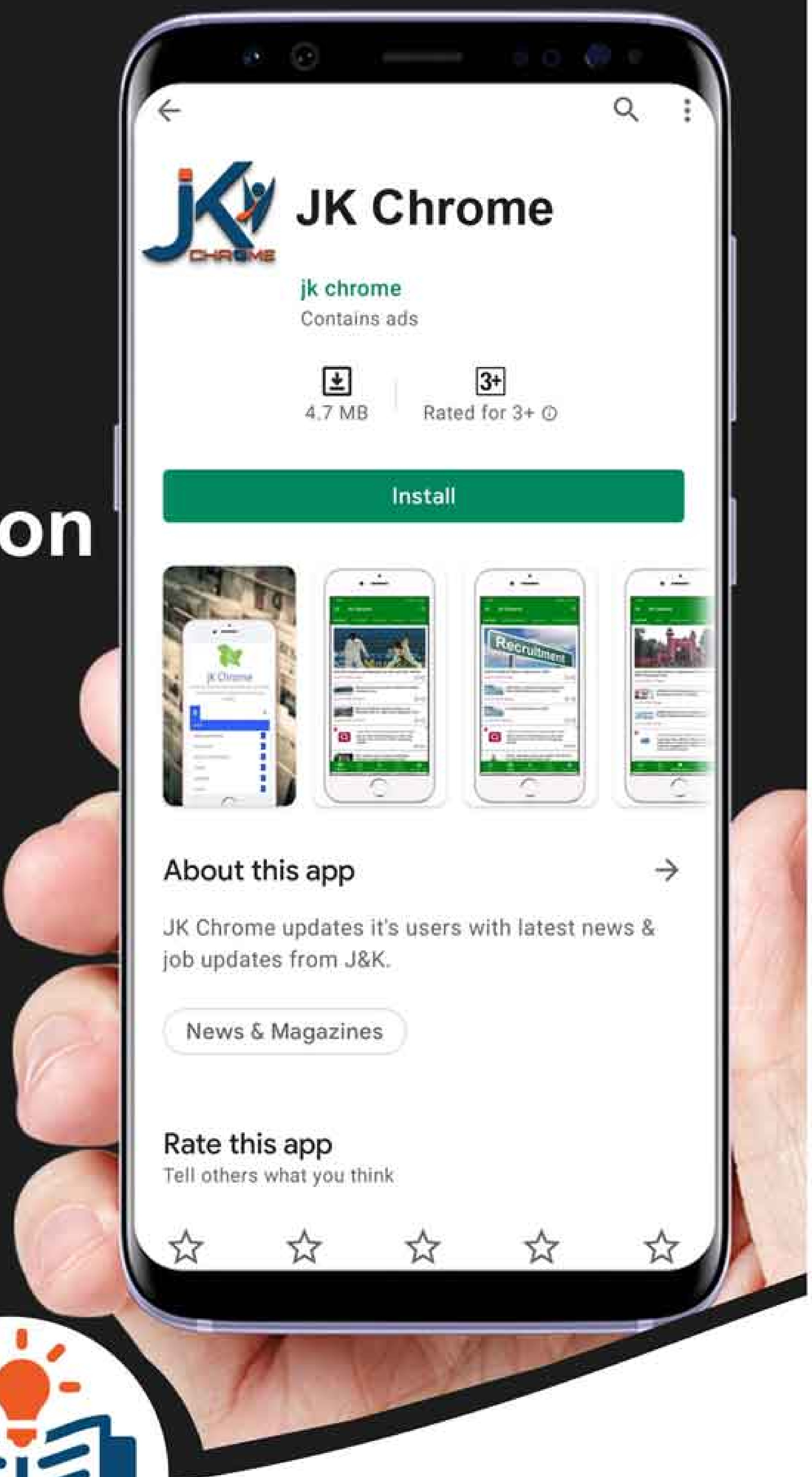

Rated No.1 Job Application of India

Sarkari Naukri
Private Jobs
Employment News
Study Material
Notifications

JOBS

NOTIFICATIONS

G.K

STUDY MATERIAL

GET IT ON Google play

JK Chrome
jk chrome
Contains ads

Click here to DOWNLOAD

www.jkchrome.com | Email : contact@jkchrome.com

Q. No- 3

विराम चिह्न

- , अल्प विराम (comma)
- ; अर्द्ध विराम (semicolon) — :- उप विराम (colon)
- । पूर्ण विराम (Full stop)

Comma, Colon, Semi Colon, Full stop

- ! विस्मयादि बोधक (Sign of exclamation)
- ? प्रश्न वाचक (Sign of Interrogation)

- ' ' इकहरा उद्धरण (Single inverted comma)
- " " दोहरा उद्धरण (Double Inverted comma)
- [{( )}] कोष्ठक (Bracket)

- ० संक्षिप्त
- - योजक चिह्न — :- विवरण चिह्न (Colon-Dash)
- — रेखिका
- ^ हंस पद (sign of left word)

- ... ... लोप निर्देश

www.jkchrome.com

1. अल्प विराम चिह्न (,) :— (सर्वाधिक प्रयुक्त)

थोड़ी देर के लिए रुकना

(i). दो से अधिक समान पदों

राम, लक्ष्मण, भरत, शत्रुघ्न राजभवन पधारे।

उठकर, नहाकर, खाकर विनय कालेज चला गया।

(ii). शब्दों की पुनरावृत्ति

सुनो, सुनो, वह गा रही है।

नहीं, नहीं, ऐसा नहीं हो सकता।

(iii). वाक्यांशों के बीच

क्रोध, चाहे जैसा भी हो, मनुष्य को दुर्बल बनाता है।

उदाहरण के लिए, ऐसा कहा जा सकता है।

(iv) पर, परन्तु, किन्तु, इसलिए, अत:, यद्यपि इत्यादि

उपवाक्यों के पहले

मैं कल घर जाता, परन्तु जरूरी काम पड़ गया।

उसने परिश्रम तो बहुत किया, परन्तु सफल नहीं हुआ।

(v). किसी व्यक्ति को सम्बोधन

मोहन, अब तुम घर जा सकते हो।

देवियो व सज्जनों, याद रखें, देश पर संकट छाया है।

(vi). सम्बन्ध वाचक सर्वनाम के बाद

मेरा भाई, जो एक इंजीनियर है, इंग्लैण्ड गया है।

कालिदास, जिन्होंने 'मेघदूतम्' लिखा, महान् लेखक थे।

(vii). यह, वह, तब, जो इत्यादि लुप्त हो

जो कहता हूँ, कान लगाकर सुनो। (वह)

कहना था सो कह दिया, तुम जानो। (अब)

www.jkchrome.com

(viii) किसी उद्धरण, उक्ति, कथन से पूर्व

गांधी जी ने कहा, " करो या मरो " ।

(ix) बस, हाँ, नहीं, सचमुच, अतः आदि से प्रारंभ होने वाले वाक्य ।

बस, हो गया, रहने दीजिए।

वस्तुतः, वह पागल है।

(x) पर्यायवाची के बीच

अश्व, घोड़ा, घोटक, तुरंग, बाजि

(xi) तारीख को सन् से अलग करने के लिए

15 अगस्त, 1995

(xii) विस्मयादि बोधक वाक्य में

अरे, तुम आ गये !

2. अर्द्ध विराम चिह्न (;) :—

(i) जब वाक्य में कई वाक्यांश हो तथा उनके बीच अल्प विराम चिह्न लगाने में संदेह हो।

पुल्लिंग / स्त्री लिंग

राम, मोहन, श्याम ; सीता, मीना, मोहिनी, कल आयेंगें ।

अमूर्त भावनाएं / भौतिक वस्तुएं

मोहन अपना मान, मर्यादा, प्रतिष्ठा ; धन, दौलत, सम्पत्ति ; परिजन, मित्र, सगे सबको गँवा दिया।

रिश्ते

(ii) मिश्रित वाक्य में सारे अंश को अलग करने के लिए :—

यद्यपि वह गरीब है ; लेकिन ईमानदार है।

उसने बुलाया तो था ; लेकिन मैं जा न सका।

तुम कुछ भी करो ; मगर मुझे तंग न करो।

3. पूर्ण विराम (।) चिह्न :—

(i) वाक्य के अन्त में

(ii). सजीव वर्णन करते समय वाक्यांशों के अन्त में

गोरा रंग। गालों पर कश्मीरी सेब की झलक।

(iii). दोहा, सोरठा, चौपाई जैसे छन्दों की पहली लाइन में एक विराम चिह्न दूसरी में दो

रहिमन पानी राखिए, बिन पानी सब सून।
पानी गये न ऊबरे, मोती मानुस चून॥

4. विस्मयादि बोधक (!) चिह्न :—

आश्चर्य, विस्मय, हर्ष, दुःख, प्रसन्नता प्रकट करने वाले वाक्यों के अन्त में :—

अरे, कितना बड़ा किला है!
तुम्हारी जीत हो कर रही, शाबाश!
वाह! वाह! कितना अच्छा गीत गाया तुमने!

5. प्रश्न वाचक (?) चिह्न :—

(i) सीधे (direct) प्रश्न पूछा जाय

आप क्या कर रहे हैं?

(ii) स्थिति स्पष्ट न हो

आप शायद इलाहाबाद के रहने वाले हैं?

Imp (iii). प्रश्न सीधे न पूछा जाय तो अन्त में पूर्ण विराम चिह्न लगेगा।

उसने मुझसे पूछा कि मैं कब आया।

www.jkchrome.com

6. इकहरा उद्धरण ('——') :—

(i). किसी विशिष्ट पुस्तक, समाचारपत्र का नाम
'गोदान' प्रेमचन्द का सर्वश्रेष्ठ उपन्यास है।
'जनसत्ता' उसका प्रिय समाचारपत्र है।

(ii). किसी का उपनाम लिखते समय
रामधारी सिंह 'दिनकर', सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'

(iii). पारिभाषिक / तकनीकी शब्दावली
'ई-कामर्स', 'ई-प्रशासन'

7. दोहरा उद्धरण ("——") :—

(i) किसी व्यक्ति का महत्वपूर्ण कथन, कहावत, पुस्तक के उद्धरण, अवतरण आदि को ज्यों का त्यों लिखने के लिए
" नारी तुम केवल श्रद्धा हो "

8. कोष्ठक [{( )}] :—

(i) वाक्य में आये हुए सन्दर्भहीन शब्द को अलग करने के लिए :—
मेरे दादा जी (अब स्वर्गीय) बहुत ईमानदार व्यक्ति थे।

(ii). किसी विशिष्ट शब्द को स्पष्ट करने के लिए :—
निम्न का वर्तनी विश्लेषण (Spelling Analysis) कीजिए

www.jkchrome.com

9. संक्षेप (०) चिह्न :—

डा०, डि०, एच० ओ० टी०

10. योजक (-) चिह्न :— हिन्दी में विराम चिह्न के बाद सर्वाधिक प्रयुक्त

(i). दो शब्दों से मिलकर बना पद, जिसमें दोनों खण्ड प्रधान हो :—

घर-द्वार, दाल-रोटी, छोटी-बड़ा, सीता-राम, माता-पिता

(ii). विलोम शब्दों के बीच

ऊपर-नीचे, माता-पिता, अमीर-गरीब, शुभ-अशुभ

(iii). द्वन्द्व समास

मान-मर्यादा, हाट-बाजार, दीन-दुखी, हँसी-खुशी

(iv). विशेषण पदों को संज्ञा

भूखा-प्यासा, अन्धा-बहरा, लूला-लँगड़ा

(v). एक सार्थक दूसरा निरर्थक

उलटा-पलटा, अनाप-शनाप, झूठ-मूठ

(vi). शुद्ध संयुक्त क्रियाएँ एक साथ प्रयुक्त

पढ़ना-लिखना, उठना-बैठना, खाना-पीना

(vii). प्रेरणार्थक क्रिया

उठना-उठाना, गिरना-गिराना, सीखना-सीखाना

(viii). एक ही संज्ञा दो बार

गली-गली, नगर-नगर, बच्चा-बच्चा, चप्पा-चप्पा

(ix). संख्यावाचक विशेषण

दो-चार, पहला-दूसरा, एक-एक, चौथा-पाँचवा

(x). अनिश्चित संख्या वाचक

बहुत-सी, कम-से-कम, अधिक-से-अधिक

(xi) गुणवाचक विशेषण
बड़ा-सा, छोटा-सा, पतला-सा, गोरा-सा

(xii) जब किसी पद का विशेषण नहीं बनता
भाषा-सम्बन्धी, पृथ्वी-सम्बन्धी, सीता-सम्बन्धी

(xiii) दो शब्दों के बीच सम्बन्ध कारक का, के, की आदि लुप्त हों :—
शब्द-सागर, लेखन-कला, मानव-जीवन

(xiv) कोई शब्द पंक्ति के अन्त में पूरा न हो

11 रेखिका (——) चिह्न :— योजक चिह्न से थोड़ा बड़ा

(i) कथन या विचार से पूर्व
मैथिली शरण गुप्त ने लिखा है — "अबला जीवन हाय तुम्हारी यही कहानी ... ... ।"

(ii) उदाहरण देते वक्त
जैसे —

(iii) नाटकों में हर संवाद से पहले
रावण — तुम कौन हो ?
अंगद —
रावण —
अंगद —

12. हंस पद चिह्न (^)

वाक्य लिखते समय कोई शब्द छूट जाय
मैं दवा लेना ^भूल^ गया ।
प्रेमचन्द का ^गोदान^ ग्राम्य जीवन की सजीव झाँकी प्रस्तुत करता है।

www.jkchrome.com

13. उप विराम (:) चिह्न :—

शीर्षकों में

कामायानी : एक अध्ययन

14. विवरण (:-) चिह्न :—

किसी विषय का विवरण देते समय

गद्यखण्ड का भावार्थ लिखा है :—

15. लोप निर्देश (.......) चिह्न :—

जब पूर्व बात की पुनरावृत्ति करनी हो

www.jkchrome.com

Q.No-4

पर्यायवाची

गणेश - गणपति, गजानन, विघ्नेश, विनायक, एकदन्त, लम्बोदर
शिव - शंभु, शंकर, रुद्र, महेश, पशुपति, कैलाशपति, उमापति, गौरीपति
पार्वती - उमा, गौरी, दुर्गा, भवानी, गिरिजा, शैलजा, आर्या, सती
ब्रह्मा - प्रजापति, पितामह, स्रष्टा, विधाता; चतुरानन, कमलासन
सरस्वती - इला, शारदा, महाश्वेता, वागेश्वरी, ब्राह्मी, हंसवाहिनी, वीणावादिनी
विष्णु - उपेन्द्र, मुकुन्द, अच्युत, नारायण, लक्ष्मीपति, जनार्दन,
लक्ष्मी - श्री, रमा, पद्मा, इन्दिरा, कमला
कृष्ण - गोपाल, गोविन्द, केशव, मुरारी
हनुमान - पवनपुत्र, मारुतिनन्दन, महावीर, बजरंगबली
सीता - जानकी, वैदेही, जनकसुता, रामप्रिया
कामदेव - मार, स्मर, मदन, मनोज, काम, अनंग, कंदर्प
यमराज - काल, कृतान्त, शमन, अन्तक
ईश्वर - ईश, प्रभु, जगन्नाथ, जगदीश
देव - सुर, देवता, अमर, अमर्त्य
दानव - असुर, दैत्य, राक्षस, निशाचर
ऋषि - साधु, सन्त, मुनि, महात्मा
इन्द्र - शक्र, पुरन्दर, सुरपति, सुरेश, सुरेन्द्र, देवेश, देवेन्द्र, देवराज
वर्षा - बारिश, बरखा, वृष्टि, बरसात
बादल - घन, घटा, वारिद, पयोद
बिजली - चपला, चपला, तड़ित, दामिनी, विद्युत, क्षणप्रभा, छटा
पृथ्वी - भू, धरा, वसुधा, वसुन्धरा, धरती, अवनि
जल - अंबु, नीर, वारि, पय, पानी, तोय
अग्नि - आग, पावक, अनल, हुताशन
आकाश - द्यौ, गगन, नभ, अम्बर, आसमान, अन्तरिक्ष,
वायु - हवा, बयार, पवन, समीर, वात, मारुत

हाथी – हस्ती, गज, करि, कुंजर, गजेन्द्र, सिन्धुर, नाग, कुम्भी
घोड़ा – अश्व, घोटक, हय, बाजि, तुरंग, सैंधव
ऊँट – उष्ट्र, शतुर, महाग्रीव, लम्बोष्ठ
बन्दर – हरि, कपि, बानर, मर्कट
हिरण – मृग, सारंग, कुरंग, चीतल, सुरभी
गाय – गौ, गऊ, गइया, धेनु, सुरभि
अमृत – सोम, सुधा, अमिय, पीयूष
विष – जहर, माहुर, गरल, हलाहल
औषधि – दवा, दवाई, औषध, भेषज
मदिरा – सोम, सुरा, दारू, शराब
आभूषण – जेवर, गहना, भूषण, मंडन
सोना – स्वर्ण, सुवर्ण, कनक, कंचन
चाँदी – रजत, रूपा, रूपक, रौप्य
शीशा – दर्पण, आइना, मुकुर, आदर्श
कपड़ा – वस्त्र, वसन, पट, परिधान, चीर, अम्बर
अन्न – धान, गल्ला, शस्य, अनाज
गृह – घर, निकेतन, भवन, सदन, आवास
नगर – पुर, पुरी, शहर, नगरी
भारत – जम्बूद्वीप, भारतखण्ड, आर्यावर्त, हिन्दुस्तान
विश्व – सृष्टि, जगत, दुनिया, संसार
मंदिर – देवालय, देवगृह, देवस्थान, ईशगृह
स्वर्ग – देवलोक, सुरलोक, इन्द्रपुरी, वैकुण्ठ
नरक – यमलोक, यमालय, यमपुरी, दोजख, जहन्नुम
पूजा – अर्चना, आराधना, वन्दना, उपासना
मोक्ष – मुक्ति, सद्गति, निर्वाण, कैवल्य
पवित्र – शुद्ध, स्वच्छ, पावन, पुनीत
उत्सव – पर्व, त्यौहार, जलसा, समारोह

www.jkchrome.com

माता - माँ, मैया, मात, जननी, अम्ब, महतारी

पिता - बाप, तात, पितृ, जनक (बाताषि)

पति - स्वामी, नाथ, भर्ता, बालम [वर, वल्लभ, कान्त, भर्ता]

पत्नी - प्रिया, कान्ता, भार्या, वामा [वधू, वल्लभा, कान्ता, भार्या]

पुत्र - तनय, सुत, आत्मज, बेटा } [illegible]

पुत्री - तनया, सुता, आत्मजा, बेटी

भाई - भैया, भ्राता, अग्रज, सहोदर

बहन - दीदी, जीजी, भगिनी, सहोदरा

मित्र - यार, मीत, सखा, दोस्त

शत्रु - अरि, रिपु, बैरी, दुश्मन

नर - पुरुष, मनुष्य, मानव, जन, आदमी

नारी - स्त्री, रमणी, औरत, महिला

राजा - नृप, नरेश, भूपति, नरपति

रानी - राज्ञी, महिषी, महारानी, पटरानी

अतिथि - पाहुन, मेहमान, अभ्यागत, आगन्तुक

पथिक - यात्री, बटोही, राही, पन्थी

ब्राह्मण - द्विज, विप्र, भू-सुर, भू-देव

मूर्ख - मूढ़, जड़, अज्ञानी, गँवार

शरीर - तन, काया, अंग, बदन

आँख - चक्षु, अक्षि, लोचन, नयन, नेत्र

जीभ - जिह्वा, चंचला, रसना, रसज्ञा

दाँत - द्विज, दन्त, रद, रदन

होंठ - ओठ, ओष्ठ, लब, अधर

हाथ - हस्त, कर, बाँह, भुजा

रक्त - खून, रुधिर, लहू, शोणित

दूध - दुग्ध, क्षीर, पय, पीयूष

www.jkchrome.com

सूर्य - दिन, दिवाकर, भानु, भास्कर, रवि, आदित्य
चन्द्रमा - शशि, शशांक, इन्दु, हिमांशु, सुधांशु
दिन - दिवा, दिवस, वार, वासर
रात - विभा, विभावरी, निशा, निशीथ, रजनी, यामिनी, रात्रि, रैन
नदी - सरित, सरिता, निर्झरिणी, तरंगिणी, नदिया, आपगा
गंगा - जाह्नवी, अलकनन्दा, भागीरथी, मन्दाकिनी, विष्णुप्रिया
यमुना - कृष्णा, कालिन्दी, सूर्यसुता, भानुजा, तरणि-तनूजा
लहर - ऊर्मि, वीचि, तरंग, हिलोर
किनारा - तीर, तट, छोर, किरा
झील - ताल, तालाब, पोखर, जलाशय, सर, सरोवर
झरना - निर्झर, प्रपात, स्रोत, उत्स
पर्वत - मेरू, तुंग, शैल, गिरि, पहाड़, नग
हिमालय - हिमगिरि, हिमपति, हिमाद्रि, हिमांचल, शैलेन्द्र, गिरिराज, नगराज
जंगल - वन, कानन, अटवि, अरण्य
वृक्ष - तरू, वट, द्रुम, पेड़, पादप
पत्ता - पर्ण, पात, पल्लव, किसलय
लता - बेल, वल्लरी, वल्ली, लतिका
पुष्प - फूल, कुसुम, सुमन, मंजरी
कमल - अंबुज, नीरज, पंकज, वारिज, पद्म, पुण्डरिक
पक्षी - खग, विहग, पतंग, परिन्दा, पखेरू, चिड़िया
मोर - मयूर, केकी, शिखी, शिखण्डी
कौवा - काक, कागा, करठ, काण, वायस, पिशुन
कोयल - पिक, श्यामा, कोकिल, वसन्त दूत, काकपालि
तोता - शुक, सुग्गा, सुआ, कीर
भौंरा - अली, भ्रमर, मधुप, मधुकर, षट्पद
मछली - मीन, मत्स्य, झष, जलजीवन
सर्प - साँप, नाग, व्याल, विषधर, भुजंग

पाखण्ड - ढोंग, ढकोसला, स्वांग, प्रपंच
चाँदनी - ज्योत्स्ना, चन्द्रकला, चन्द्रिका, कौमुदी
इन्द्रधनुष - सुरचाप, शक्रचाप, इन्द्रधनु, सप्तवर्णधनु
समुद्र - सिन्धु, सागर, जलधि, पयोधि, रत्नाकर

PCS (Lower)

2006 - अग्नि, मेघ, कपड़ा, पुत्र, रात
2004 - अतिथि, कामदेव, भ्रमर, विष्णु, पेड़
2003 - कपड़ा, आग, यमुना, मछली, मोर
2002 - गंगा, गणेश, पुत्र, रात्रि, समुद्र
1998 - अग्नि, हवा, सूर्य, कमल, आकाश
1990 - Not in syllabus.

2008 - वह्नि, रात्रि, शिक्षक, वृक्ष, साँप
2009 - कामदेव, बिजली, दर्पण, ध्वज, सिंह

बसन्त - माधव, मधुमास, ऋतुपति, ऋतुराज
चन्दन - मलय, मलयज, प्रियगन्ध, हरिगन्ध
सिंह - शेर, बब्बर, केसरी, मृगेन्द्र, वनराज
शिक्षक - गुरु, आचार्य, अध्यापक, उस्ताद, प्रवक्ता, व्याख्याता

जल - अंबु, नीर, वारि, पय, जल
कमल - अंबुज, नीरज, वारिज, पयोज, जलज
समुद्र - अंबुधि, नीरधि, वारिधि, पयोधि, जलधि
बादल - अंबुद, नीरद, वारिद, पयोद, जलद

पुत्र - आत्मज, सुत, तनय, बेटा
पुत्री - आत्मजा, सुता, तनया, बेटी

पति - प्रिय, कान्त, भर्ता, बालम, वर, वल्लभ
पत्नी - प्रिया, कान्ता, भार्या, वामा, वधू, वल्लभा

पथ - राह, रास्ता, मार्ग, डगर

लक्ष्य - ध्येय, निशाना, उद्देश्य, मंजिल

सुख - मजा, चैन, आनन्द, उल्लास

दुःख - पीड़ा, दर्द, क्लेश, वेदना,

प्रेम - प्यार, इश्क, मोहब्बत, प्रीत, स्नेह, अनुराग

घृणा - हेय, घृणित, गन्दा, बीभत्स

प्रशंसा - बड़ाई, तारीफ, सराहना, गुणगान

अपमान - उपेक्षा, निरादर, अवज्ञा, अनादर

शक्ति - बल, पौरुष, ताकत, पराक्रम, जोर, सामर्थ्य

युद्ध - रण, जंग, संग्राम लड़ाई

आतंक - भय, दहशत, उपद्रव, विभीषिका

दया - कृपा, रहम, करुणा, अनुकंपा

उपकार - हित, नेकी, भलाई, अच्छाई

शुभ - मंगल, कल्याण, नेकी, भला

भाग्य - किस्मत, नसीब, मुकद्दर, तकदीर

इच्छा - चाह, मनोरथ, कामना, आकांक्षा

द्वेष - वैर, शत्रुता, खार, दुश्मनी

अहंकार - गर्व, गुरूर, घमंड, अभिमान

लज्जा - लाज, शर्म, हया, संकोच

बुद्धि - अक्ल, समझ, प्रज्ञा, मेधा

प्रसिद्ध - प्रख्यात, विख्यात, नामी, यशस्वी

स्वच्छ - साफ, सुथरा, निर्मल, विमल

शिष्ट - सज्जन, सभ्य, शालीन, सौम्य, सुशील

चतुर - दक्ष, प्रवीण, कुशल, निपुण

जीव - प्राणी, प्राणधारी, जीवधारी, जीवनधारी

कमल - नीरज, पंकज, अम्बुज, वारिज, पद्म, पुण्डरीक
आकाश - नभ, गगन, अम्बर, अन्तरिक्ष, आसमान

2009 : PCS (Lower)

कामदेव - मार, स्मर, मदन, मनोज
बिजली - चंपा, चपला, तड़ित, दामिनी
दर्पण - शीशा, आइना, मुकुर, आदर्श
ध्वज - झण्डा, पताका, केतु, केतन
सिंह - मृगेन्द्र, केशरी, व्याघ्र, शार्दूल, पंचानन, महावीर, मृगराज, वनराज

www.jkchrome.com

Lower : 2008

बहिन - दीदी, जीजी, भगिनी, सहोदरा
रात्रि - विभा, विभावरी, निशा, निशीथ, रजनी, यामिनी, रात, रैन
शिक्षक - गुरु, आचार्य, अध्यापक, उस्ताद, प्रवक्ता, व्याख्याता
वृक्ष - तरू, वट, द्रुम, पेड़, पादप
साँप - सर्प, नाग, व्याल, विषधर

Lower : 2006

अग्नि - आग, पावक, अनल, हुताशन, दहन
मेघ - घन, घटा, बादल, वारिद, पयोद
कपड़ा - वस्त्र, वसन, पट, परिधान, चीर, अम्बर
पुत्र - बेटा, सुत, तनय, आत्मज
रात्रि - विभा, विभावरी, निशा, निशीथ, रजनी, यामिनी, रात, रैन

Lower : 2003.

कपड़ा - वस्त्र, वसन, पट, परिधान, चीर, अम्बर
आग - अग्नि, पावक, अनल, हुताशन, दहन
यमुना - कृष्णा, कालिन्दी, सूर्य-सुता, भानुजा, तरणि-तनुजा
मछली - मीन, मत्स्य, झष, जल-जीवन
मोर - मयूर, केकी, शिखी, शिखण्डी

Lower : 2002

गंगा - भागीरथी, अलकनन्दा, जाह्नवी, मन्दाकिनी
गणेश - गणपति, गजानन, विघ्नेश, विनायक, लम्बोदर
पुत्र - बेटा, सुत, तनय, आत्मज
रात्रि - विभा, विभावरी, निशा, निशीथ, रजनी, यामिनी
समुद्र - सिन्धु, सागर, जलधि, पयोधि, रत्नाकर

Lower : 1998

अग्नि - आग, पावक, अनल, हुताशन, दहन
हवा - पवन, समीर, वायु, बयार, वात, मारुत
सूर्य - दिन, दिवाकर, भानु, भास्कर, रवि, आदित्य

www.jkchrome.com

"Adjective" Noun or Pronoun.

विशेषण एवं विशेष्य

Word which qualify Noun or Pronoun is– "Adjective"

जो शब्द संज्ञा अथवा सर्वनाम की विशेषता बताता है, उसे विशेषण कहते हैं। विशेषण द्वारा जिसकी विशेषता बतायी जाती है वह विशेष्य कहलाता है।

वस्तुतः विशेषण रहित संज्ञा से जिस वस्तु का बोध होता है, विशेषण लगाने पर उसका अर्थ सीमित संदर्भों में हो जाता है उदाहरण के लिए गाय से सम्पूर्ण गाय जाति का बोध होता है किंतु सफेद गाय कहने से ऐसी गायों का ही बोध होगा जो सफेद हों।

❑ विशेषण के मुख्य भेद तीन हैं:-

1. सार्वनामिक विशेषण
2. गुणवाचक विशेषण
3. संख्यावाचक विशेषण

1. सार्वनामिक विशेषण:- सर्वनाम के निजवाचक और पुरुषवाचक रूपों (मैं, तू, वह) से भिन्न सर्वनाम जब किसी संज्ञा से पूर्व आयें तो उन्हें **'सार्वनामिक विशेषण'** कहते हैं।जैसे यह गाय सुंदर है। वह घर बड़ा है। यहां गाय और घर के ठीक पूर्व आयें हुए 'यह' एवं 'वह' सार्वनामिक विशेषण हैं। **मौलिक सार्वनामिक विशेषण** उन्हें कहते हैं जो बिना रूप परिवर्तन के यथारूप प्रयुक्त होते हैं जैसे यह, वह, कोई, वे आदि। प्रत्यय लगाकर परिवर्तित सर्वनामों से बने विशेषणों को **'यौगिक सार्वनामिक विशेषण'** कहते हैं। जैसे ऐसी किताब: जैसा देश: वैसा भेष, आदि।

2. गुणवाचक विशेषण:- जो शब्द संज्ञा या सर्वनाम के गुण, दशा, स्वभाव का बोध कराये उसे 'गुणवाचक विशेषण' कहते हैं। गुणवाचक विशेषणों के मुख्य प्रकार इस प्रकार हैं:- (6 प्रकार का)

1. गुण- सच्चा, झूठा, दानी, पापी, न्यायी, दुष्ट, शांत।
2. रंग - लाल, पीला, हरा, बैंगनी, चमकीला, फीका।
3. आकार- टेढ़ा, सीधा, चौकोर, गोल, सुडौल, लम्बा, चौड़ा।
4. स्थान- क्षेत्रीय, देशी, पंजाबी, भारतीय, अमेरिकी, चौरस, दायां, बांया, भीतरी, बाहरी, पूर्वी, पश्चिमी।
5. काल- नया, पुराना, ताजा, वर्तमान, भविष्य, प्राचीन, आगामी, मौसमी।
6. दशा- दुबला, पतला, मोटा, भारी, गीला, सूखा।

नोटः- इन विशेषणों में 'सा' पद जोड़कर गुणों को कम किया जाता है जैसे- बड़ा-सा, ऊँचा-सा, छोटा-सा।

3. संख्यावाचक विशेषण:- जिन शब्दों से किसी संज्ञा या सर्वनाम की संख्या का बोध हो उन्हें 'संख्यावाचक विशेषण' कहते हैं।

❑ संख्यावाचक विशेषण के मुख्यतः तीन भेद हैं:-

1. निश्चित संख्यावाचक
2. अनिश्चित संख्यावाचक
3. परिमाण बोधक

जिस विकारी शब्द से संज्ञा की व्याप्ति मर्यादित होती है "– विशेषण

1. निश्चित संख्यावाचक विशेषण गणना (एक, दो, तीन), 'क्रम' (पहला, दूसरा, तीसरा) या 'आवृत्ति' (दूना, तिगुना, चार गुना) समूहवाचक (दोनों, पांचों, सातों), प्रत्येक बोधक (प्रत्येक, हर-एक, दो-दो) हो सकते हैं।

2. अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण से वस्तु की निश्चित संख्या का भान नहीं होता है जैसे- कुछ लोग, ज्यादा चीनी, कम भार।

3. परिमाणबोधक विशेषण, संख्यावाचक विशेषण का ही एक भेद है। इससे वस्तु की नाप, तौल का बोध होता है: जैसे- किलो भर घी, बहुत तेल, सारा धन, और पानी।

❑ **प्रविशेषण**-जो शब्द किसी विशेषण की विशेषता बताये उसे प्रविशेषण कहते हैं जैसे मोहन बहुत तेज विद्यार्थी है। इसमें **तेज** विशेषण है और **बहुत** उसका प्रविशेषण।

❑ **विशेष्य-विशेषण** एवं **विधेय-विशेषण**:-जो विशेषण विशेष्य के पूर्व आये वह **विशेष्य-विशेषण** (यथा- चंचल शिशु, तेज विद्यार्थी) कहलाता है। यहां विशेषण चंचल एवं तेज अपने विशेष्य शिशु एवं विद्यार्थी के पूर्व आया है अतः यह विशेष्य-विशेषण है।

जो विशेषण विशेष्य के बाद आये उसे विधेय विशेषण कहते हैं: जैसे- मेरी गाय **काली** है। मेरा पुत्र **सुस्त** है। यहां विशेषण काली एवं सुस्त अपने विशेष्य गाय एवं पुत्र के बाद आये हैं अतः यह विधेय विशेषण हैं।

❑ **विशेष्य विशेषण-रचना:-**

1. कुछ विशेषण अपने मूल रूप में होते हैं: जैसे - लाल, सुंदर, गोला, भारी।
2. कुछ विशेषण संज्ञा (विशेष्य) में प्रत्यय लगाकर बनाये जाते हैं:

जैसे:-

प्रत्यय	+	संज्ञा	=	विशेषण
इक	+	धर्म	=	धार्मिक
मान्	+	श्री	=	श्रीमान्
ईय	+	जाति	=	जातीय

3. लिंग, वचन और कारक के अनुसार परिवर्तित विशेषण: जैसे
   काला, बड़ा, → काली, बड़ी → काले, बड़े
   वह → वे → उन → उस
4. दो शब्दों के मेल से बनने वाले विशेषण: जैसे- भला-बुरा, छोटा-बड़ा, ऊँच-नीच
5. तुलना की स्थिति प्रदर्शित करने वाले विशेषण जैसे-

मूलावस्था	-	उत्तरावस्था	-	उत्तमावस्था
अधिक	-	अधिकतर	-	अधिकतम
उच्च	-	उच्चतर	-	उच्चतम
निम्न	-	निम्नतर	-	निम्नतम
शुभ्र	-	शुभ्रतर	-	शुभ्रतम

विशेष्य-विशेषण परिवर्तनों की सूची आगे दी जा रही है। विशेष्य क्रिया रूप या संज्ञा रूप में होते हैं- जैसे:

www.jkchrome.com

विशेष्य-विशेषण सूची

विशेष्य	विशेषण	विशेष्य	विशेषण
अग्नि	आग्नेय	अंकुर	अंकुरित
अधिकार	आधिकारिक	अंत	अंतिम
अध्यात्म	आध्यात्मिक	अंतर	आंतरिक
अनुमान	अनुमानित	अंचल	आंचलिक
अनुवाद	अनूदित	कथन	कथित
अनुराग	अनुरक्त	कपट	कपटी
अपमान	अपमानित	कल्पना	काल्पनिक
अपेक्षा	अपेक्षित	कागज	कागजी
अवरोध	अवरुद्ध	काया	कायिक
आत्मा	आत्मिक	काँटा	कँटीला
आदर	आदरणीय	किताब	किताबी
आधार	आधारित	किस्मत	किस्मतवार
आन	आनी	कुत्सा	कुत्सित
आरंभ	आरंभिक	कुकर्म	कुकर्मी
आराधना	आराध्य	कृपा	कृपालु
इच्छा	इच्छित, ऐच्छिक	खर्च	खर्चीला
इनाम	इनामी	खतरा	खतरनाक
ईश्वर	ईश्वरीय	खपड़ा	खपड़ैल
ईर्ष्या	ईर्ष्यालु	खान	खनिक
उत्तेजना	उत्तेजित	गमन	गत
उत्साह	उत्साही	ग्राम	ग्राम्य, ग्रामी
उपन्यास	औपन्यासिक	गुण	गुणी
उपासना	उपास्य	गुलाब	गुलाबी
उपेक्षा	उपेक्षित	घर	घरेलू
ऋषि	आर्ष	घास	घसियारा
एकता	एक	घृणा	घृणित
ओज	ओजस्वी	चन्द्र	चान्द्र

www.jkchrome.com

चरित्र	चारित्रिक	न्याय	नैयायिक
छवि	छबीला	निर्माण	निर्मित
जटा	जटिल	नियोजन	नियोजित
जल	जलीय	निष्ठा	नैष्ठिक, निष्ठावान
जवाब	जवाबी	पठन	पठनीय
जंगल	जंगली	पतन	पतित
जागरण	जाग्रत, जागरूक	पराजय	पराजित
झगड़ा	झगड़ालू	परीक्षा	परीक्षित
टकसाल	टकसाली	परिवार	पारिवारिक
ठंढ	ठंढा	पशु	पाशविक
ठंड	ठंडा	पक्ष	पाक्षिक
डाक	डाकीय	पंक	पंकिल
डोरा	डोरीय	प्रकृति	प्राकृतिक
त्याग	त्यागी, त्याज्य	प्रतिष्ठ	प्रतिष्ठित
तंत्र	तांत्रिक	प्रतिबिम्ब	प्रतिबिम्बित
तंद्रा	तंद्रिल	प्रथम	प्राथमिक
तालु	तालव्य	प्राची	प्राच्य
तेज	तेजस्वी	प्राण	प्राणद
तृप्ति	तृप्त	प्रार्थना	प्रार्थित
थकान	थकित, थका	पाठ	पाठ्य
दगा	दगाबाज	पान	पेय
दम्पत्ति	दाम्पत्य	पिता	पैतृक
दया	दयालु	पुस्तक	पुस्तकीय
दशरथ	दशरथी	पुष्प	पुष्पित
दाह	दग्ध	पुरान	पौराणिक
दिन	दैनिक	प्रेम	प्रेमी
दन्त	दन्त्य	फल	फलद, फलप्रद
धन	धनी	फेन	फेनिल
धर्म	धार्मिक	बसन्त	बासन्तिक
धुंध	धुंधला	बाजार	बाजारू
धूम	धूमिल	बुद्धि	बौद्धिक
नमक	नमकीन	भ्रम	भ्रमित

www.jkchrome.com

भूगोल	भौगोलिक	वर्ण	वर्णित
भूत	भौतिक	वत्स	वत्सल
भीख	भिखारी	वर्ष	वार्षिक
मन	मानसिक	वस्तु	वास्तविक
मर्म	मार्मिक	वायु	वायव्य
मनु	मानव	विकार	विकृत
मगध	मागधी, मागध	विकास	विकसित
मर्द	मर्दाना	विधान	वैधानिक
मजा	मजेदार	विवाह	वैवाहिक
मानव	मानवीय	विष्णु	वैष्णव
माता	मातृक	वेद	वैदिक
मामा	ममेरा	शक्ति	शाक्त
माल	मालदार	श्रद्धा	श्रद्धेय
मास	मासिक	शासन	शासित
माह	माहवार	शिव	शैव
मांस	मांसल	शोषण	शोषित
मूल	मौलिक	संस्कृति	सांस्कृतिक
मौसा	मौसेरा	संपादक	संपादकीय
यश	यशस्वी	संदेह	संदिग्ध
रक्त	रक्तिम	संक्षेप	संक्षिप्त
राजनीति	राजनीतिक	सभा	सभ्य
राज	राजकीय	समर	सामरिक
राष्ट्र	राष्ट्रीय	सम्मान	सम्मानित
रुद्र	रौद्र	समास	सामासिक
रूप	रूपवान	साहित्य	साहित्यिक
रोब	रोबीला	समुद्र	समुद्री
रोमांच	रोमांचक, रोमांचित	सोना	सुनहला
लज्जा	लज्जालु	हठ	हठी
लक्षण	लाक्षणिक	हल्	हलन्त
लोक	लौकिक	हँसी	हँसोड़, हँसमुख
लोभ	लोभी, लब्ध	हिम	हैम
लोहा	लौह	हृदय	हार्दिक
वंदन	वंदनीय	क्षमा	क्षम्य

Q.No ④ (द)
⑩ अंक

Qustion No ⑩
⑤ अंक

वाक्य अशुद्धियाँ

वर्तनी
↓
अनुचित शब्द
↓
पदक्रम
↓
पुनरावृत्ति
↓
सर्वनाम
↓
लिंग
↓
कारक
↓
वचन
↓
विशेष अशुद्धि

श्रृंगार - श्रृंगार
कवियत्री - कवयित्री
द्वंद - द्वंद्व
आर्द - आर्द्र
उपरोक्त - उपर्युक्त
सन्यास - संन्यास
सिन्दुर - सिन्दूर
उज्वल - उज्ज्वल
प्रज्वल - प्रज्वल
पूज्यनीय - पूज्य/पूजनीय
व्यवसायिक - व्यावसायिक
राजनैतिक - राजनीतिक
अंतर्ध्यान - अंतर्धान
संग्रहित - संगृहीत
तत्व - तत्त्व
महत्व - महत्त्व
सौन्दर्यता - सौन्दर्य/सुन्दरता
निर्दोषी - निर्दोष
सदृढाया - सदृच्छाया
प्रतिछाया - प्रतिच्छाया
श्रोत - स्रोत
अनाथिनी - अनाथा
ग्रहित - गृहीत
मिष्ठान्न - मिष्टान्न
अभीष्ठ - अभीष्ट
गदर्भ - गर्दभ
श्राप - शाप
गोधूली - गोधूलि
मंजू - मंजु

① एक गिलास पानी दीजिए।
② इस समय मेरी (आयु) 35 वर्ष की है। (उम्र/अवस्था)
③ (आँखो) से आँसू निकल (पड़ा)। [आँख – पड़े)
④ कृष्ण के (अनेकों) नाम हैं। (अनेक)
⑤ उसे (बिणा) (बजाना) नहीं (आता)। (वीणा– बजानी– आती)

www.jkchrome.com

1. वर्तनी संबंधी अशुद्धियाँ

अनाधिकार - अनधिकार
अनुकुल - अनुकूल
अनुशरण - अनुसरण
अहिल्या - अहल्या
अद्वितिय - अद्वितीय
अन्तर्ध्यान - अन्तर्धान
अमावश्या - अमावस्या
आर्द - आर्द्र
अल्हाद - आह्लाद
इकठ्ठा - इकट्ठा (इकट्ठा)
उपरोक्त - उपर्युक्त
उत्पात् - उत्पात
उज्वल - उज्ज्वल
कलस - कलश
कैलाश - कैलास
कौतुहल - कौतूहल / कुतूहल
क्षत्र - छत्र
गृहीता - ग्रहीता
चिन्ह - चिह्न
जागृत - जागरित
जेष्ठ - ज्येष्ठ
ताड़ित - ताडित्
दाधिची - दधीचि
द्वारिका - द्वारका
निरिह - निरीह
पत्नि - पत्नी
अन्ताक्षरी - अन्त्याक्षरी
अर्थात - अर्थात्
आहवान - आह्वान
आजीवका - आजीविका

ईर्षा - ईर्ष्या
उछृंखल - उच्छृंखल
उँचाई - ऊँचाई
औद्योगिकरण - उद्योगीकरण
कवियित्री - कवयित्री
केन्द्रियकरण - केन्द्रीकरण
गृहित - गृहीत
चर्मोत्कर्ष - चरमोत्कर्ष
जमाता - जामाता
ज्योत्सना - ज्योत्स्ना
त्याज - त्याज्य
तत्व - तत्त्व
दिपिका - दीपिका
द्वन्द - द्वन्द्व
निरपराधी - निरपराध
नुपुर - नूपुर
प्रशंशा - प्रशंसा
पुज्य - पूज्य
परिक्षण - परीक्षण
ब्रम्ह - ब्रह्म
बृज - ब्रज
भैय्या - भैया
मुहुर्त - मुहूर्त
महत्वाकांछा - महत्त्वाकांक्षा
महात्म - माहात्म्य
यथेष्ठ - यथेष्ट
विभिषिका - विभीषिका
वांगमय - वाङ्मय
प्रज्ज्वलित - प्रज्वलित
प्रथक - पृथक
प्रवृर्त - प्रवृत्त

www.jkchrome.com

ब्रत - व्रत
भगिरथी - भागीरथी
भागवत् - भागवत
मुमुर्षू - मुमूर्षु
मूर्धण्य - मूर्द्धन्य
महत्व - महत्त्व
याज्ञवल्क - याज्ञवल्क्य
वाहनी - वाहिनी
बाल्मिकी - वाल्मीकि
बनिक् - वणिक्
संग्राहित - संगृहीत
सिन्दुर - सिन्दूर
सदृश्य - सदृश
स्मशान - श्मशान
सुश्रूषा - शुश्रूषा
श्रोत - स्रोत
श्रीयुत् - श्रीयुत
हिरण्यकश्यपु - हिरण्यकशिपु
सुर्पनखा - शूर्पणखा
सत्व - सत्त्व
सृजन - सर्जन
सम्राज्य - साम्राज्य
सुसुप्ति - सुषुप्ति
सम्वाद - संवाद
सस्यस्यामला - शस्यश्यामला
श्रृंगार - शृंगार
शारिरिक - शारीरिक
हितेच्छुक - हितेच्छु
अनुसांगिक - आनुषंगिक
अध्यात्मिक - आध्यात्मिक
चातुर्यता - चातुर्य / चतुरता
कौशलता - कौशल / कुशलता

द्विवार्षिक - द्वैवार्षिक
धैर्यता - धैर्य / धीरता
अभ्यन्तरिक - आभ्यन्तरिक
असहनीय - असह्य
अनुयाई - अनुयायी
तत्व - तत्त्व
तत्कालिक - तात्कालिक
द्विवार्षिक - द्वैवार्षिक
नैपुणता - नैपुण्य / निपुणता
प्रफुल्लित - प्रफुल्ल
प्रतिनिधिक - प्रातिनिधिक
सन्यास - संन्यास
सौजन्यता - सौजन्य
निरपराधी - निरपराध
पूज्यनीय - पूजनीय
प्रमाणिक - प्रामाणिक
पौरूषत्व - पौरुष
बाहुल्यता - बाहुल्य / बहुलता
राजनैतिक - राजनीतिक
व्यवसायिक - व्यावसायिक
सौन्दर्यता - सौन्दर्य / सुन्दरता
सप्ताहिक - साप्ताहिक
संसारिक - सांसारिक
अनाथिनी - अनाथा
कोमलांगिनी - कोमलांगी
विहंगिनी - विहंगी
अत्योक्ति - अत्युक्ति
अद्यापि - अद्यापि
अनाधिकारी - अनधिकारी
आशिर्वाद - आशीर्वाद
किम्वदन्ती - किंवदन्ती
दक्षाया - छत्रच्छाया

www.jkchrome.com

1. वर्तनी संबंधी अशुद्धियाँ

अनाधिकार - अनधिकार
अनुकुल - अनुकूल
अनुशरण - अनुसरण
अहिल्या - अहल्या
अदितिय - अद्वितीय
अन्तर्ध्यान - अन्तर्धान
अमावश्या - अमावस्या
आर्द - आर्द्र
अल्हाद - आह्लाद
इकठ्ठा - इकट्ठा (इकट्ठा)
उपरोक्त - उपर्युक्त
उत्पात् - उत्पात
उज्वल - उज्ज्वल
कलस - कलश
कैलाश - कैलास
कौतुहल - कौतूहल / कुतूहल
खल - दल
गृहीता - ग्रहीता
चिन्ह - चिह्न
जागृत - जागरित
जेष्ठ - ज्येष्ठ
ताड़ित - ताडित्
दधिची - दधीचि
द्वारिका - द्वारका
निरिह - निरीह
पत्नि - पत्नी
अन्ताक्षरी - अन्त्याक्षरी
अर्थात - अर्थात्
आहवान - आह्वान
आजीवका - आजीविका

ईर्षा - ईर्ष्या
उश्रृंखल - उच्छृंखल
उँचाई - ऊँचाई
औधोगीकरण - उद्योगीकरण
कवियित्री - कवयित्री
केन्द्रियकरण - केन्द्रीकरण
गृहित - गृहीत
चर्मोत्कर्ष - चरमोत्कर्ष
जमाता - जामाता
ज्योत्सना - ज्योत्स्ना
त्याज - त्याज्य
तत्व - तत्त्व
दिपिका - दीपिका
द्वन्द - द्वन्द्व
निरपराधी - निरपराध
नुपुर - नूपुर
प्रसंशा - प्रशंसा
पुज्य - पूज्य
परिक्षण - परीक्षण
ब्रम्ह - ब्रह्म
बृज - ब्रज
भैय्या - भैया
मुहुर्त - मुहूर्त
महत्वाकांक्षा - महत्त्वाकांक्षा
महात्म - माहात्म्य
यथेष्ठ - यथेष्ट
विभिषिका - विभीषिका
वांगमय - वाङ्मय
प्रज्ज्वलित - प्रज्वलित
पृथक - पृथक्
प्रवृत - प्रवृत्त

www.jkchrome.com

अनुसुया – अनसूया
ज्योत्सना – ज्योत्स्ना
कौवा – कौआ

तरुछाया – तरुच्छाया
तदोपरान्त – तदुपरान्त
दुरावस्था – दुरवस्था
नभमण्डल – नभोमण्डल
पुरष्कार – पुरस्कार
सदोपदेश – सदुपदेश
चक्षुरोग – चक्षूरोग
निरोग – नीरोग
सन्मुख – सम्मुख
अष्टवक्र – अष्टावक्र
एकतारा – इकतारा
एकलौता – इकलौता
निर्दोषी – निर्दोष
उंगली – उँगली
जहां – जहाँ
डांट – डाँट
पांचवां – पाँचवाँ
कौशल्या – कौसल्या

निर्दयी – निर्दय
सतोगुण – सत्त्वगुण
दिवारात्रि – दिवारात्र
निर्गुणी – निर्गुण
नेतागण – नेतृगण
महाराजा – महाराज
योगीराज – योगिराज
विद्यार्थीगण – विद्यार्थिगण
स्वामीभक्ति – स्वामिभक्ति
भाग्यवान – भाग्यवान्
विधिवत – विधिवत्
श्रीमान – श्रीमान्
बुद्धिमान – बुद्धिमान्
साक्षात – साक्षात्
अंगना – आँगन
पहुंच – पहुँच
महंगा – महँगा
जाऊंगा – जाऊँगा
मुंह – मुँह
अनेकों – अनेक

Exp: I. मैं अनेकों बार बनारस गया। (अनेक)

(ii) कृष्ण के अनेकों नाम हैं। (अनेक)

[अनेक स्वंय में बहुवचन है अतः अनेकों गलत है]

(iii). पद्मनी अपनी सौन्दर्यता के लिए प्रसिद्ध थी।

(सौन्दर्य / सुन्दरता)

मंत्रीमण्डल – मंत्रिमण्डल
महान् – महान
जगत् – जगत
आर्य्य – आर्य
कालीदास – कालिदास
बाल्मीक – बाल्मीकि
पाणिनी – पाणिनि
विरहणी – विरहिणी
लतायें – लताएँ
पुजारन – पुजारिन

गत्यावरोध – गत्यवरोध
द्वारिका – द्वारका
प्रभू – प्रभु
कुमुदनी – कुमुदिनी
ऊषा – उषा
दुरावस्था – दुरवस्था
आधीन – अधीन
इष्ठ – इष्ट
पुष्ठ – पुष्ट
छमा – क्षमा

✓ गयी, गये — गई, गए ✗
✓ आयी, आये — आई, आए ✗
✓ खायी, खाये — खाई, खाए ✗

✓ हुई, हुए — हुयी, हुये ✗
✓ हुई, हुए — हुयी, हुये ✗

✓ { दीजिए, लीजिए, पीजिए, कीजिए } → { दीजिये, लीजिये, पीजिये, कीजिये } ✗
इसलिए — इसलिये
लिए — लिये (संप्रदान विभक्ति)

2. अनुचित शब्द :-

(i) आकाश में बिजली (गरज) रही है। (चमक)
(ii). आकाश में वायुयान (दौड़) रहे हैं। (उड़)
(iii). रेडियो की (उत्पत्ति) किसने की? (आविष्कार)
(iv) उन्नति के मार्ग में (संकट) भी आते हैं। (बाधाएं)

3. पदक्रम की अशुद्धियाँ :-
वाक्य में कभी-कभी शब्द क्रम में नहीं लिखे रहते हैं। जैसे :-

(i). यहाँ पर शुद्ध गाय का दूध मिलता है।
यहाँ पर गाय का शुद्ध दूध मिलता है।

(ii). पानी का एक गिलास लाओ।
एक गिलास पानी लाओ।

(iii). मीना ने बाजार से एक मोतियों की माला खरीदी।
मीना ने बाजार से मोतियों की एक माला खरीदी।

(iv). कैदी के हाथों में बेड़ियाँ एवं पैरों में हथकड़ियाँ लगी थीं।
कैदी के हाथों में हथकड़ियाँ एवं पैरों में बेड़ियाँ लगी थीं।

(v). मैदान में बहुत से पशु-पक्षी उड़ते एवं चरते हुए दिखाई देते हैं।
मैदान में बहुत से पशु-पक्षी चरते एवं उड़ते दिखाई देते हैं।

4. पुनरावृत्ति :-

(i). वह प्रात: (काल) के (समय) घूमने जाता है।
(ii). लम्बे संघर्ष के बाद भारत (गुलामी) की (दासता) से मुक्त हुआ।
(iii) मेरे पास (केवल) पच्चास रूपये (मात्र) हैं।
(iv) भोजन की (व्यवस्था) का (प्रबन्ध) करें।
(v). (रविवार) के (दिन) आफिस बन्द रहता है।
(vi). राम के वन गमन पर दशरथ (विलाप) करके (रोने) लगे
(vi). आप अपनी बात का स्पष्टी(करण) (करने) के लिए स्वतंत्र हैं।
(vii). मैं (स)कुशल (सकुशल)(सकुशल) हूँ।

7. कारक संबंधी अशुद्धि :- (ने, को, पर, में etc.)

(i). मोहन शहर के कपड़े लाकर गाँव को बेचता है।
से × में

(ii). गाँव के सभी लड़के शहर को चले गये।

Imp (iii). पुस्तक को जहाँ से उठाओ वहीं पर रख दो।

(iv). राम मोहन मारा।
राम ने मोहन को मारा।

(v). मुझे बहुत सारी पुस्तकों को पढ़ना होता है।
मुझे बहुत सी पुस्तकों को पढ़नी पड़ती है।

(vi). गाँव के भीतर दो कुँए है। (में)

Imp (vii) मेज के उपर चढ़ जाओ। (पर)

(viii) सीमा ने अपनी सहेली के लिए उपहार दिया। (को)

(ix). आज बजट के उपर बहस होगी। (पर)

(x). आजकल जनता के अन्दर बहुत असन्तोष है। (में)

(xi). वह रोज आफिस को जाता है।

8. वचन संबंधी अशुद्धि :-

Imp (i). उसके प्राण निकल गये।

(ii) शेर को देखते ही उसके प्राण उड़ गये।

(iii) मैंने गुरु जी के दर्शन किये।

(iv) गांधी जी के हाथ घुटनों तक लम्बे थे।

Imp (v) उसकी आँख से आँसू निकल पड़े।

> प्राण, आँसू, हाथ, समय* आदि शब्द हमेशा बहुवचन (आदर सूचक शब्द) में होते हैं।

(vi). मेरी घड़ी मे तीन बजा है। (बजे)

(vii) पेड़ों पर कोयल बोल रही थी (पेड़)
एकवचन

(viii) इन हालातों मे चुनाव संभव नही है। (हालात)

*समय मे एक के लिये बजा है शेष के लिए बजे है

www.jkchrome.com

5. सर्वनाम संबंधी अशुद्धियां

(i). शिकारी ने उस पर गोली चलाई लेकिन शेर बच निकला।
शिकारी ने शेर पर गोली चलाई लेकिन वह बच निकला।

> यदि किसी वाक्य में संज्ञा व सर्वनाम दोनो दिया है तो संज्ञा पहले आयेगा सर्वनाम बाद में

(ii) मेरे को नहीं मालूम। (मुझे)
(iii) तेरे को कुछ नहीं मालूम। (तुमको)
(iv) वह लोग जा रहें हैं। (वे)
(v). आप लोग अपने कपड़े ले जाइए। (अपने-अपने)
(vi). सब लोग अपनी राय दें। (अपनी-अपनी)

6. लिंग संबंधी अशुद्धि :—

(i). मुझे तुमसे एक बात कहना है। (कहनी)
(ii). अंको की औसत अच्छी है।
का अच्छा
(iii). हमारी प्रदेश की जनता बहुत सहनशील है। (हमारे)
(iv) कमीज की आस्तीन फटी है। (का) (फटा)
(v). उसे बीना बजाना नहीं आता।
वीणा बजानी आती
(vi) रेलगाड़ी में भारी भरकम भीड़ थी। (संख्या में)
(v). उसने अपनी बात धीरे से बताया। (बतायी)

> कमीज, कालर, फल, तना - पुल्लिंग
> बाँह, बटन, पत्तियाँ, डालें- स्त्री लिंग

www.jkchrome.com

(ix). शादी में सभी वर्ग के लोग आये थे। (वर्गों)
(x) शादी में हर वर्गों के लोग आये थे। (वर्ग)
(xi). हम सब की स्थिति एक जैसी है। (स्थितियाँ)
(xii) प्रत्येक व्यक्ति जीना चाहते हैं। (चाहता)
(xiii). उसने तरह-तरह का रूप धारण किया। (के)
(xiv) बेटी पराये घर का धन होता है। (होती)

9. विशेष अशुद्धि :-

* क्रिया कर्ता के अनुसार निर्धारित होती है, यदि एक साथ कई कर्ता हो तो क्रिया अन्तिम कर्ता के अनुसार होगा, परन्तु यदि कर्ता पुल्लिंग, स्त्रीलिंग एक साथ वाक्य में हो तो क्रिया पुल्लिंग के अनुसार होगा, भले ही स्त्रीलिंग कर्ता बाद में हो।
* छोटा अपने बड़े को अर्पित करता है तथा बड़ा अपने छोटे को प्रदान करता है।
* फोटो खींचा जाता है, चित्र बनाया जाता है
* हस्ताक्षर किया जाता है
* बात कही जाती है
  प्रश्न किया जाता है
  उत्तर दिया जाता है।

(i) मैदान में तीन घोड़े, दो बैल, एक बकरी चर रहे हैं। (रही)
(ii). मोहन ने बाजार से कलम, छाता एवं तीन धोतियां खरीदा। (खरीदीं)
(iii). पति-पत्नी जा रहीं हैं। (रहे हैं)
(iv) राजा-रानी सिंहासन पर बैठी हैं। (बैठे हैं)
(v) छात्रों ने गुरु जी को अभिनन्दन पत्र प्रदान किया। (अर्पित)
(vi) मुख्य अतिथि ने विजेता टीम को पुरस्कार अर्पित किया। (प्रदान)
(vii). मोहन चित्र खींच रहा है (बना)
(viii). चेक पर अपने हस्ताक्षर बना दीजिए। (कर)
(ix) इतने अधिक प्रश्न पूछना ठीक नहीं है (करना)
(x). यह पुस्तक सौ रुपये की ली है। (खरीदी)

www.jkchrome.com

PCS (Mains) 2009

(i) अनेकों लोगों ने मुझे पकड़ लिया। (अनेक) - (वर्तनी)

(ii). तितली के पास सुन्दर पंख होते हैं।
तितली के पंख सुन्दर होते हैं। - (कारक, पदक्रम)

(iii). राकेश नया पोषाक पहनकर आया है। (नयी), (लिंग)
(पोषाक-स्त्रीलिंग)

(iv). जब भी आप आओ मुझसे मिलो।
जब भी आप (आइए) मुझसे (मिलिए)। (क्रिया)

(v). गत रविवार को वह मुंबई जायेगा।
गत रविवार को वह मुंबई गया। (क्रिया)
अगले रविवार को वह मुंबई जायेगा। (सर्वनाम)

PCS (Mains) 2008

(i) मुझे यह नहीं मालूम था कि यह आपकी पैतिक संपाति है।
(पैतृक) (संपत्ति) - वर्तनी

(ii). उसने एक मोती का हार खरीदा।
उसने मोतियों का एक हार खरीदा। (वर्तनी, पदक्रम)

(iii) हमें अपना निजी काम करना चाहिए। (पुनरावृत्ति)

(iv) निराशा की किरणें छायी हुई हैं। (बादल) (अनुचित शब्द)
निराशा- बादल
आशा- किरण

(v). श्री रामसिंह मेरे अपने पिता हैं। (पुनरावृत्ति)

PCS (Mains) 2008 spl.

(i). दोनों चोटियों में कौन सी उच्चतम है? (उच्च) (दो से अधिक - उच्चतम)

Imp (ii) मोहन की आँखों से आँसू बह रहे हैं। (वर्तनी)
(आँख)
(आँख, हाथ स्वयं में बहुवचन)

(iii). अनेक विश्वविद्यालयों के कर्मचारियों ने हड़ताल कर दी।
विश्वविद्यालयों के कर्मचारियों ने हड़ताल कर दी (पुनरावृत्ति)

Imp (iv) उस समय मेरी आयु 30 वर्ष की है। (उम्र/अवस्था) अनुचित शब्द

(v). हमारे ऊपर पूज्यनीय पिता जी का आर्शिवाद है।
पूजनीय (वर्तनी) आशीर्वाद (वर्तनी)
पूज्य

PCS (Mains) : 1998

अपने नाम के आगे-पीछे सम्मान सूचक शब्द नहीं लगाया जाता

(i). मेरा नाम श्री मोहन जी है। (विशेष)

(ii). शिकारी ने उस पर गोली चलाई पर शेर बच निकला।

शिकारी ने शेर पर गोली चलाई पर वह बच निकला। (पदक्रम)

(iii). तमाम देश भर में यह बात फैल गई। (पुनरावृत्ति)

V.Imp (iv) वह पेड़ जो कोने पर लगा है, उसके फल मीठे हैं।

कोने पर खड़े पेड़ के फल मीठे हैं। (पदक्रम, अनुचित शब्द कारक)

Imp (V). सामाजिक कुरीतियों का एकमात्र कारण अज्ञानता है।

अज्ञान (वर्तनी)

PCS (Mains) 1989

Imp (i). विद्यालय के लड़के गेंद खेल रहे थे। (छात्र) (अनुचित शब्द)

(ii). आपका भविष्य उज्जवल है। (उज्ज्वल) (वर्तनी)

(iii). मैं घर ही हूँ। (में) (कारक)

(iv) ठण्डे घड़े का पानी पिलाइए।

घड़े का ठण्डा पानी पिलाइए। (पदक्रम)

(V). आपका दर्शन करने आया हूँ। (आपके) (सर्वनाम)

Imp (vi). पति-पत्नी आई हैं। (आये) (विशेष)

*(vii). 'गोदान' प्रेमचन्द की एक श्रेष्ठ उपन्यास है। (का) (लिंग)

(viii) हम हमारे देश के महापुरुषों का अनुसरण करें। (अपने) (अनुचित शब्द)

(ix). उसके बाद फिर राम का राज्याभिषेक हुआ। (अनावश्यक कारक)

(X) एक फूलों की माला चाहिए।

फूलों की एक माला चाहिए। (पदक्रम)

PCS (Mains) 1988

(i) आप जाओ। (जाइए) (क्रिया)

(ii) मेरे को बुलाया। (मुझे) (सर्वनाम)

(iii) वह घोड़े में सवार था। (पर) (कारक)

'गोदान' प्रेमचन्द का श्रेष्ठतम उपन्यास है।

PCS (Mains) : 2011

(i) इस पुस्तक में यही विशेषता है। (की) कारक

(ii) उसके प्राण पखेरू चले गये। (उड़) अनुचित शब्द

(iii) आप की रचना श्रेष्टतम है।

आपकी रचना श्रेष्ठतम् है। – (सर्वनाम, अनुचित कारक, वर्तनी)

(iv). लड्डू और लस्सी पी कर हमने यात्रा की।

लड्डू खाकर और लस्सी पी कर हमने यात्रा की (विशेष)

(v). वह नगर दृष्टव्य है। (द्रष्टव्य) – वर्तनी

PCS (Mains) : 2010

(i). अनाधिकार – अनधिकार

सन्यासी – संन्यासी

चर्मोत्कर्ष – चरमोत्कर्ष

आधीन – अधीन

कवियत्री – कवयित्री

(ii). उसने अपनी कमाई का अधिकांश भाग व्यर्थ गँवा दिया।

उसने अपनी कमाई का अधिकांश गँवा दिया। – (पुनरावृत्ति)

(iii). व्यक्ति को अपने समय का अच्छा सदुपयोग करना चाहिए।

व्यक्ति को अपने समय का सदुपयोग करना चाहिए – (पुनरावृत्ति)

(iv). मित्र कहां थे? इतने वर्षों में दिखाई नहीं दिए।

कहाँ (वर्तनी) से (कारक)

(v). मुंबई हमले का अपराधी मृत्युदण्ड के योग्य है।

का पात्र (अनुचित शब्द)

(vi). छात्रों ने मुख्य अतिथि को मानपत्र प्रदान किया।

अर्पित (विशेष अशुद्धि)

www.jkchrome.com

(v). अपने को यहाँ से जाने की कोई जल्दी नहीं है। (मुझे) (सर्वनाम)

Imp (vi). तुम मेरे तरफ इस तरह क्या देख रहे हो ? (मेरी) (सर्वनाम)

(vii). मैंने भगवद्गीता पढ़ा है। (पढ़ी) (लिंग)

(viii). मैंने कल बम्बई जाना है। (मुझे) (सर्वनाम)

PCS (Lower) 1979

(i). पूज्यनीय पिता जी को नमस्कार कहना। (पूज्य/पूजनीय) (वर्तनी)

(ii). अब तुम जाओगे तब मैं आऊँगा। (जब) (अनुचित शब्द)

(iii). मैंने करा। (किया) (वर्तनी)

(iv) मैं आपको श्रद्धा करता हूँ। (आपकी) (सर्वनाम)

(v). तुमने अपने स्वेच्छा से यह काम किया है। (पुनरावृत्ति)

(vi). मेरे को पुस्तक चाहिए। (मुझे) (सर्वनाम)

(vii). दो पूड़िया सेंक दो। (बना) (अनुचित शब्द)

Imp (viii). वह रुग्ण शय्या पर पड़ा है। (अवस्था में) (अनुचित शब्द, कारक)

LDA/UDA 2006.

Imp (i) मुझे इसका अधिकांश भाग मिला। (पुनरावृत्ति)

Imp (ii). वह पतिव्रता स्त्री है। (पुनरावृत्ति)

(iii) वह मन से डरा करता है। (आशंकित रहना) (अनुचित शब्द)

(iv) उपरोक्त वाक्य सही है। (उपर्युक्त) (वर्तनी)

(V). उसे मृत्युदण्ड की सजा मिली है।
उसे मृत्युदण्ड मिला है। (पुनरावृत्ति)

SDI : 2008

Imp (i) श्याम जल से पौधे सींच रहा है। (अनावश्यक शब्द)

Imp (ii). वह दण्डनीय है।
वह दण्ड का पात्र है। (अनुचित शब्द)

(iii). उसमें बचपन है। (बचपना) (अनुचित शब्द)

www.jkchrome.com

All Question very Important

PCS (Lower) 1998

(i) उसे (बीना) (बजाना) नहीं आता । (वर्तनी, लिंग, क्रिया)
वीणा बजानी (आती)

(ii). कमीज (की) आस्तीन (फटी) है। (लिंग)
का फटा

Imp (iii). चहारदीवारी के (उस) (पार) खाई है। (अनावश्यक शब्द)

> इस पार या उस पार नहीं लगाते हैं जहाँ स्थान ज्यादा है जैसे- सड़क, नदी, जंगल, पर्वत

(iv). मैं (अनेकों) बार बनारस गया हूँ। (अनेक) (वर्तनी)

(v) (निरपराधि) को दण्ड नहीं देना चाहिए। (निरपराध) (वर्तनी)

> निरपराधी - निरपराध
> निर्दोषी - निर्दोष
> निरोगी - निरोग

PCS (Lower) 1990

(i). (नायक) का पति विदेश में है। (नायिका) (अनुचित शब्द)

(ii) दिवाकर वैद्य को (नारी) का ज्ञान अच्छा है। (नाड़ी)
दिवाकर वैद्य को नाड़ी का अच्छा ज्ञान है। (वर्तनी, पदक्रम)

(iii). मनोहर का मकान श्याम से (ज्यादा) (बेहतर) है। (पुनरावृत्ति)

(iv) पर्वत (का) शिखर ऊँचे हैं। (के) (कारक)

(v). डाल (में) चिड़िया बैठी है। (पर) (कारक)

PCS (Lower) 1985

Imp (i) वह (विलाप करके) (रोने) लगी । (पुनरावृत्ति)

(ii). प्रेमचन्द का (श्रेष्ठतम) उपन्यास 'गोदान' है। (सर्वश्रेष्ठ) अनुचित शब्द

(iii). आप क्या अभी भोजन नहीं किये हैं?
क्या आपने अभी तक भोजन नहीं किया है? (सर्वनाम, पदक्रम)

Imp (iv). मेरा (अनुग्रह) है कि आप मेरे घर आने का (आग्रह) करें।
आग्रह (अनुचित शब्द) की कृपा (अनुचित शब्द)

PCS (Lower) 2003

(i) यहाँ प्रातः काल के समय का दृश्य बड़ा सुहावना होता है। (पुनरावृत्ति)

(ii) यह कविता अनेकों भावों को प्रकट करती है। (अनेक) वर्तनी

(iii) आप अपने कथन का स्पष्टीकरण करने के लिए बाध्य हैं।
आप अपने कथन के स्पष्टीकरण लिए बाध्य हैं। (पुनरावृत्ति)

(iv). इस कविता में प्रयुक्त शब्द केवल संकेत मात्र हैं। (पुनरावृत्ति)

(v). मैंने बाजार से धागा, कंघी, दर्पण और पुस्तकें खरीदे।
खरीदीं (वचन)

PCS (Lower) 2002

(i). वे इन्दौर के वजनदार विद्वान हैं। (प्रसिद्ध) (अनुचित शब्द)

(ii). उसका गुस्सा उबल रहा था।
वह गुस्से से उबल रहा था (सर्वनाम, कारक)

Imp (iii). आम और कलम शब्द संज्ञा हैं।
आम और कलम संज्ञा शब्द हैं। (पदक्रम)

(iv) मुझे आज मेरी बहन को विद्यालय भेजना है।
अपनी (सर्वनाम) (ले जाना) (क्रिया)

Imp (v). हम एक शपथ के नीचे इकट्ठा हुए हैं। (साथ) (अनुचित शब्द)

PCS (Lower) 2002 spl.

Imp (i). उसे अनुत्तीर्ण होने की आशा है। (आशंका) (अनुचित शब्द)

(ii). ये लोग परस्पर एक दूसरे से घृणा करते हैं। (पुनरावृत्ति)
ये लोग परस्पर घृणा करते हैं।
ये लोग एक-दूसरे से घृणा करते हैं।

(iii). राजेश्वर चित्र खींच रहा है। (बना) (अनुचित शब्द)

(iv) सुधीर बुरी तरह से प्रसिद्ध है। (अच्छी) (अनुचित शब्द)

Imp (v). यह दवात मत छुओ, टूट जायेगी। (अनावश्यक सर्वनाम)

www.jkchrome.com

PCS (Mains) 2004

(i) मैं अपनी बात का स्पष्टीकरण करना चाहता हूँ। (पुनरावृत्ति)
मैं अपनी बात को स्पष्ट करना चाहता हूँ।
मैं अपनी बात का स्पष्टीकरण चाहता हूँ।

(ii). मुझे आप पुराने पते से पत्र दीजिएगा।
(पर) (कारक) (भेजिएगा) (क्रिया)

(iii) उनकी अपनी प्रखर बुद्धि हर काम में प्रकट होती है।
(अनावश्यक सर्वनाम) (दृष्टिगत) (अनुचित शब्द)

(iv). आप इस पत्र में हस्ताक्षर बना दीजिए।
पर (सर्वनाम) कर (विशेष)

(v). शेर को देखकर उसका प्राण सूख गया। (वचन) (प्राण - बहुवचन)
उसके गये

PCS (Mains) 2004 spl.

(i) एक लड़का, दो जवान, कई महिलाएं आते हैं। (आती) (विशेष)
(ii). मेरे पीछे तुम्हारा नम्बर है। (बाद) (अनुचित शब्द)
(iii) ऐसी एकाध बातें और देखने में आती हैं। (सुनने) (क्रिया)
(iv) प्रत्येक व्यक्तियों को वहाँ जाना चाहिए। (व्यक्ति) (वचन)
(v). अगले वर्ष हमने नौकरी शुरु की। (पिछले) (अनुचित शब्द)

PCS (Mains) 2003.

(i). आपकी महान् कृपा होगी। (महती) अनुचित शब्द

(ii) आँखो से आँसू निकल पड़ा।
आँख (वर्तनी) पड़े (क्रिया)

(iii). हवन सामग्री जल गया। (गयी) (लिंग)
(iv). उसे कह दो कि भाग जाय। (उससे) (सर्वनाम)
(v). वहाँ अनेकों लोग थे। (अनेक) (वर्तनी)

PCS (Mains) 2002

(i). अत्यधिक व्यस्तता स्वास्थ्य के लिए हानिप्रद है। (हानिकारक)
(अनुचित शब्द)

www.jkchrome.com

(ii). केवल मात्र आपके दर्शन पर्याप्त होंगे। (पुनरावृत्ति)

(iii). मेरे मन के अन्दर कोई बुरी बात नहीं है। (में) (कारक)

(iv). यद्यपि मैं आपका बहुत कृतज्ञ हूँ, पर मैं आपका यह कार्य नहीं कर सकता। आभारी परंतु (अनुचित शब्द, कारक)

(v). मेरी पूज्यनीय माँ अब इस संसार में नहीं हैं। पूज्या/पूजनीया (वर्तनी)

PCS (Mains) 2001 :-

(i). इस समय आपकी आयु चालीस वर्ष की है। (उम्र/अवस्था) (अनुचित शब्द)

(ii). आकाश में वायुयान दौड़ रहा है। (उड़) (अनुचित शब्द)

(iii). कृष्ण के अनेकों नाम हैं। (अनेक) (वर्तनी)

(iv). बिजली गरज रही है। (चमक) (अनुचित शब्द)

(v). रात का नाश्ता अच्छा था। (खाना) (अनुचित शब्द)

PCS (Mains) 2000 :-

(i) पुस्तक को जहाँ से उठाओ, वहीं पर रख दो। (अनावश्यक कारक)

(ii). हम अपने पिता के सबसे बड़े लड़के हैं। (सर्वनाम) में का बड़ा लड़का हूँ।

(iii). मैं मेरी कलम से लिखता हूँ। (अपनी) (सर्वनाम)

(iv) यह भाग्यवान स्त्री है। यह स्त्री भाग्यवान है। (पदक्रम)

(v). विश्वनाथ और गोविंद में सबसे तेज कौन है? (अनावश्यक विशेषण)

PCS (Mains) 1999.

(i) प्रत्येक प्राणी को स्वयं आत्मनिर्भर होना चाहिए। (पुनरावृत्ति)

(ii). एक पानी का गिलास दीजिए। एक गिलास पानी दीजिए। (पदक्रम)

(iii). मैं कपड़े नहीं दिया हूँ। मैंने कपड़े नहीं दिये हैं। (सर्वनाम, क्रिया)

(iv) मैं आपकी प्रतिक्षा करता रहा। (प्रतीक्षा) (अनुचित शब्द)

(v) कृष्ण पितांबर धारण करते थे। (पीतांबर) (वर्तनी)

(iv) अनेकों बार देख चुका हूँ। (अनेक) (वर्तनी)

(v). एक पानी का गिलास दीजिए।
एक गिलास पानी दीजिए। (पदक्रम)

(vi). उनका आँसू बहने लगा।
उनके (सर्वनाम) लगे (वचन)

एकवचन के लिए - है
बहुवचन के लिए - हैं

(vii). केवल चार रुपये मात्र दीजिए। (पुनरावृत्ति)

V. Imp (viii). वे बड़े सज्जन व्यक्ति हैं। (पुनरावृत्ति)

PCS (Lower) 2008

(i) उन्होंने मुस्कुरा दिया।
वे (सर्वनाम) दिये (क्रिया)

(ii). दर्शक गणों से अनुरोध है। (दर्शकों) (अनुचित शब्द)

(iii). घड़ी में कितना बजा है। (कितने बजे हैं) (विशेष)

(iv). मुझे संतोष अनुभव हो रहा है। (का) वचन

(v). वे चुप लगा गये। (हो) (अनुचित शब्द)

PCS (Lower) 2006 Spl.

(i). जीवन व विज्ञान का घोर संबन्ध है। (घनिष्ठ) (अनुचित शब्द)

(ii). वह एक महान अपराधी है। (कुख्यात) (अनुचित शब्द)

V. Imp (iii). वह मुझे देखा तो चकरा गया। (चकित रह गया) (वर्तनी)

(iv). सूरदास अनेक पद लिखे हैं। (ने) (कारक)

Imp (v). भाषण सुनने के बाद में वापस लौट आया। (पुनरावृत्ति)

PCS (Lower) 2004

(i). एक लड़का, दो जवान, कई महिलाएं आते हैं। (आती) (वचन)

Imp (ii). मेरे पीछे तुम्हारा नम्बर है। (बाद) (अनुचित शब्द)

(iii). ऐसी एकाध बातें और देखने में आती हैं। (सुनने) (क्रिया)

(iv) प्रत्येक आदमियों को वहाँ जाना चाहिए। (आदमी) (वचन)

(v). अगले वर्ष हमने नौकरी शुरु की। (पिछले) (अनुचित शब्द)

www.jkchrome.com

PCS (Mains) 2007

(i). मैंने (तुमको) (अनेकों) बार कहा है। (सर्वनाम, वर्तनी)
तुमसे अनेक (वर्तनी)

(ii). (तुम) मोहन को (देखे) है।
तुमने (सर्वनाम) देखा (क्रिया)

(iii) बच्चों (से) गुस्सा न करो। (पर) (कारक)

(iv). दस (रूपया) में क्या आता है? (रूपये) (वचन)

(v) उसकी (सौजन्यता) से यह कार्य हुआ है। (सौजन्य) (वर्तनी)

(vi) (तमाम) देश भर में यह बात फैल गई। (पुनरावृत्ति)

(vii). मैं (स)प्रमाण (सहित) कहता हूँ। (पुनरावृत्ति)

(viii). भोजन बहुत (सुन्दर) है। (स्वादिष्ट) (अनुचित शब्द)

(ix) मैं गुरुजी (से) श्रद्धा रखता हूँ। (पर) (कारक)

(x). (मैं) 100 रुपये का टिकट खरीदा। (मैंने) (सर्वनाम)

PCS (Mains) 2006

(i). आपका पत्र (स)धन्यवाद (सहित) मिला। (पुनरावृत्ति)

(ii). उस समय आपकी (आयु) चालीस वर्ष है। (उम्र/अवस्था) (अनुचित शब्द)

(iii). एक गाय, दो घोड़े और एक बकरी मैदान में हरी घास चर (रहे) हैं। (रही हैं) (वचन)

(iv) श्रीकृष्ण के (अनेकों) नाम हैं। (अनेक) (वर्तनी)

(v) आपकी (सौभाग्यवती) कन्या का विवाह होने जा रहा है। (आयुष्मती) (अनुचित शब्द)

PCS (Mains) 2005

* (i) (एक) पानी का गिलास दीजिए।
एक गिलास पानी दीजिए। (पदक्रम)

(ii) मैं आपकी (प्रतिक्षा) करता रहा। (प्रतीक्षा) (वर्तनी)

(iii). प्रत्येक प्राणी को (स्वयं) (आत्म)निर्भर होना चाहिए। (पुनरावृत्ति)

(iv). (मैं) कपड़े नहीं (दिया) हूँ।
मैंने (सर्वनाम) दिये हैं। (क्रिया)

(v) (वे) दो नौ ग्यारह हो गया।
वह नौ दो ग्यारह हो गया (सर्वनाम, पदक्रम)
वे नौ दो ग्यारह हो गये (पदक्रम, क्रिया)

JK Chrome

JK Chrome | Employment Portal

Rated No.1 Job Application of India

Sarkari Naukri
Private Jobs
Employment News
Study Material
Notifications

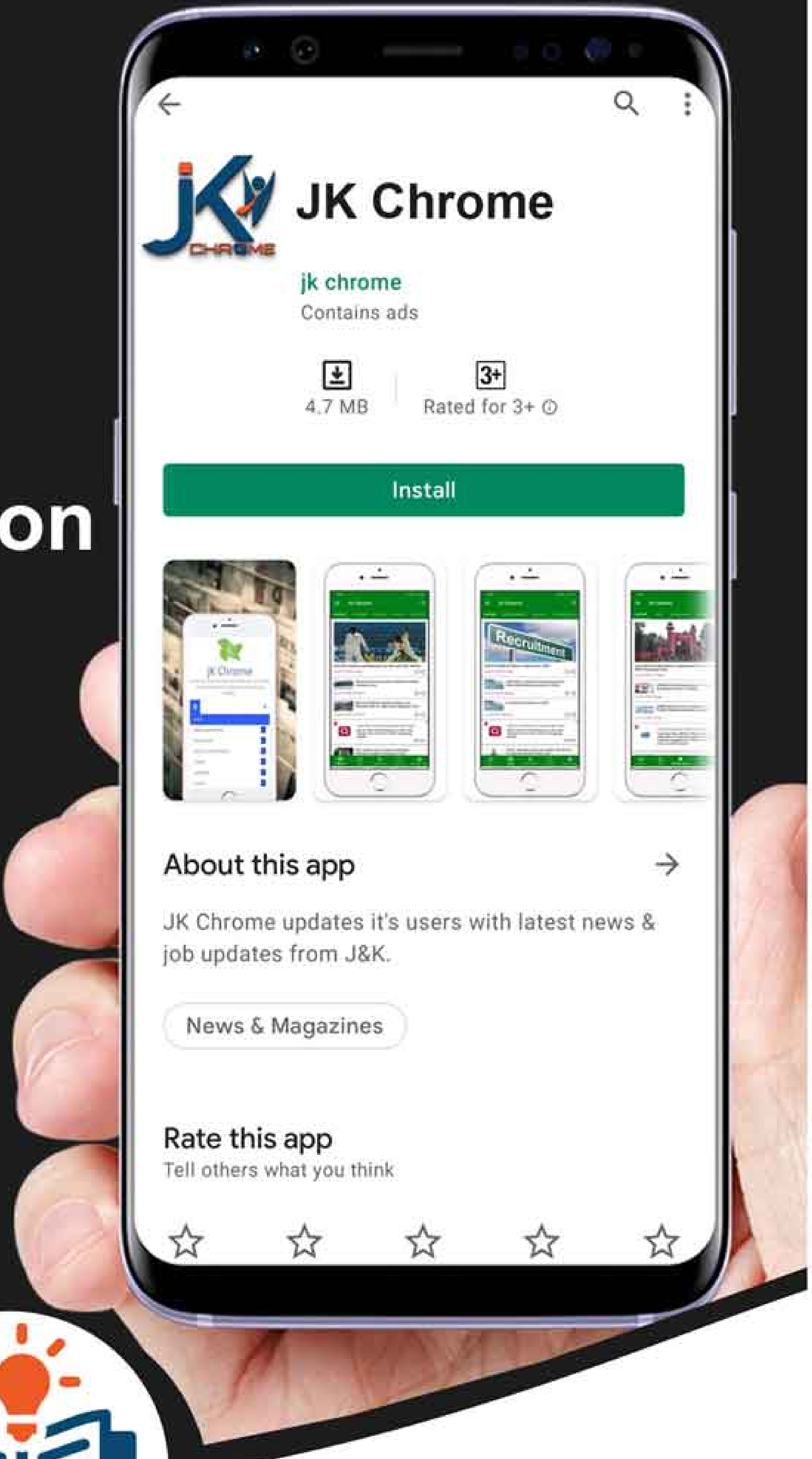

JOBS

NOTIFICATIONS

G.K

STUDY MATERIAL

GET IT ON Google play

JK Chrome
jk chrome
Contains ads

Click here to DOWNLOAD

www.jkchrome.com | Email : contact@jkchrome.com